# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

## 10 जुलाई, 1991

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

# विशय सूची

## बुधवार, 10 जुलाई, 1991

**पृश्ठ संख्या**


| | |
|---|---|
| सदस्य द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान | (2)1 |
| राज्यपाल का अभिभाशण | (2)1 |
| अध्यक्ष द्वारा सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र | (2)7 |
| अध्यक्ष द्वारा घोशणा<br>पैनल आफ चेयरमैन सम्बन्धी | (2)8 |
| अनुपस्थिती की अनुमति | (2)8 |
| सचिव द्वारा घोशणा<br>राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सम्बन्धी | (2)8 |
| भाोक प्रस्ताव | (2)9 |

# हरियाणा विधान सभा

## बुधवार, 10 जुलाई, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 10.20 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

## सदस्य द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान

**Mr. Speaker:** Hon'ble Member, Shri Brij Anand, M.L.A did not take oath yesterday, the 9th July, 1991. I call upon him to make and subscribe the oath or affirmation.

(The hon'ble Member was not present)

## राज्यपाल का अभिभाशण

## (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

**श्री अध्यक्षः** मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभी के रुल्ज़ औफ प्रोसिजर एण्ड कण्डक्ट औफ बिजनैस के रुल 18 के अनुसार मैने आपको यह सूचना देनी है कि कांस्टीच्यू ान के आर्टिकल 176(1) के अनुसार गवर्नर साहब ने आज 10 जुलाई 1991 को 9:30 बजे प्रातः हरियाणा विधान सभा के सामने ऐड्रेस देने की कृपा की है।

ऐड्रेस की एक कापी टेबल आफ दी हाउस पर रखी जाती है।

**अध्यक्ष महोदय एंव माननीय सदस्यगण,**

मुझे नवगठित हरियाणा विधान सभा के प्रथम अधिवे ान के अवसर पर आपका स्वागत करते हुए अत्यन्त हर्श हो रहा है। विधान सभा के चुनावो में मिली सफलता पर मै आपको हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे यह वि वास है कि हरियाणा की जनता ने जो दायित्व आपको सौंपा है उसे निभाने में आप पूरी तरह कामयाब रहेंगे।

2. जैसा की आप सभी जानते है, 21 मई, 1991 को एक भयंकर बम विस्फोट द्वारा भारते के पूर्व प्रधान मंत्री तथा कांग्रेस (आई) के अध्यक्ष भारत रत्न श्री राजीव गांधी की निर्मम हत्या कर दी गई। श्री राजीव गांधी की इस जघन्य हत्या पर मुझे और मेरी सरकार को गहरा सदमा तथा दुःख हुआ है। श्री राजीव गांधी ने दे ा की अखण्डता और एकता के लिए संघर्श करते हुए साम्प्रदायिक ताकतो के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होने प्रधान मंत्री के पद पर कार्य करते हुए दे ा को प्रगति और विकास की दि ाा में बहुत अग्रसर किया। उनके नेत्त्व में अन्तराश्ट्रीय स्तर पर भारत को एक गौरवमय स्थान प्राप्त हुआ। मेरी सरकार भारत के इस महान सपूत के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है तथा उन उद्दे यो की पूर्ति के लिए संकल्प करती है जो उन्हे सर्वप्रिय थे तथा जिनके लिए उन्होने अपने जीवन का बलिदान दिया।

3, श्री राजीव गांधी की हत्या ऐसे समय में हुई जब समूचा राश्ट्र चुनाव की प्रकिया में व्यस्त था। उनकी हत्या से लोकतांत्रिक मूल्यो को एक भारी आघात पहुंचा है। राजनीति में हिंसा की इस बढती हुई प्रवृति को हमें तुरन्त रोकना होगा। उन भाक्तियो का डटकर मुकाबला करना होगा जो भारत की अखण्डता की भात्रु है और हमारे दे ा के टुकडे कर देना चाहती है।

4. हाल ही में लोक सभा तथा हरियाणा विधान सभा के चुनावो के फलस्वरुप केन्द्र तथा राज्य दोनो में ही नई सरकारो ने सत्ता संभाली है। हम नये प्रधान मंत्री श्री पी0 वी0 नरसिम्हाराव जी का, जो एक अत्यन्त योग्य, सुलझे हुए, दे ा प्रेमी और बुद्धिमान राजनेता है, अभिनन्दन करते है। मै श्री भजन लाल जी को भी हरियाणा के मुख्य मंत्री पद का कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई देता हूं।

चुनावो की घोशणा के समय न केवल आ ांका थी बल्कि भय था कि हरियाणा में चुनाव भाांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न नही हो सकेंगे। परन्तु राश्ट्रपति भाासन के दौरान राज्य प्र ाासन ने निर्भिकता दिखाते हुए भाांतिपूर्ण तथा व्यवस्थित ढंग से चुनाव करा कर यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय गणतंत्र सजी है और मतदाताओ की इच्छा ही सर्वोपरि है। इन चुनावो में लगभग 64 लाख मतदाताओ ने, जिनका अनुपात कुल मतदाताओ से लगभग 67 प्रति ात है, अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग से सम्बन्ध

रखने वाले मतदाताओ ने अपने मताधिकार का निडर होकर प्रयोग किया। इस उत्कृश्ट कार्य का श्रेय हमारे प्रदे ा के भाांतिप्रिय लोगो और वि ोश रुप से महामहिम राज्यपाल महोदय श्री धनिक लाल मण्डल तथा उनकी देख रेख में कार्यरत हरियाणा के राज्य प्र ाासन का जाता है। वे सभी बधाई के पात्र है।

6. नई सरकार एक स्पश्ट जनादे ा के आधार पर सत्ता में आई है। हरियाणा के लोगो ने नई सरकार को चुनकर उसमें अपनी आस्था व्यक्तकी है। मेरी सरकार इस आस्था का सम्मान करती है और आपके माध्यम से जनता को आ वासन देती है कि लोगो की अकांक्षाओ को पूरा करने में वह कोई कसर नही छोडेगी। सरकार उन प्रगति ाील नीतियो एवं कार्यक्रमो के क्रियान्वन के लिए कृतसंकल्प है जो स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरु, श्रीमती इंदिरा गांधी तथा श्री राजीव गांधी जी को प्रिय थे तथा जिनके फलस्वरुप न केवल हरियाणा प्रान्त अपितु समस्त भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ।

7. जैसा की आप सभी जानते है हरियाणा राज्य पहली नवम्बर, 1966 को अस्तित्व में आया। तब से लेकर इस प्रगति ाील प्रदे ा में उन्नति के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये गये। परन्तु बडे खेद के साथ कहना पड रहा है कि गत चार वर्शो से इस प्रदे ा के विकास का सारा काम ठप्प सा हो गया। राज्य की आर्थिक स्थिती अत्यंत नाजुक है। लोगो को जातिवाद, धर्म तथा भाहरी व देहाती आधार पर बांटने की लगातार चेश्टा की

गई। कानून और व्यवस्था की हालत इतनी बिगड गई थी कि जनसाधारण में असुरक्षा की भावना व्यापत हो गई। महिलाओ व कमजोर वर्गो के नागरिको को वि ोश तौर पर अपनी इज्जत व सम्पत्ति को सुरक्षित रखने में कठिनाई का सामना करना पडा। ऐसी विकट परिस्थितियो में मेरी सरकार ने बिगडी हुई कानून व्यवस्था को सुधारने का संकल्प किया है। अधिकारियो को निर्दे ा दिये गये है कि प्रत्येक नागरिक की जान–माल की सुरक्षा की जाये, अल्प संख्यको तथा समाज के कमजोर वर्गो को संरक्षण दिया जाये तथा समाज विरोधी तत्वो से सख्तीसे निपटा जाये।

8. हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। पानी का अभाव यहां की मूलभूत समस्या है।सिंचाई के साधनो का और अधिक विस्तार अब सतलुज–यमूना योजक नहर के पूरा होने तथा रावी–व्यास के पानी मे हमारे हिस्से की उपलब्धता पर अधिक निर्भर करता है। मेरी सरकार ने इस नहर को भीघ्र मुकम्मल कराने के लिए केन्द्रीय सरकार से यह अनुरोध किया है कि इस परियोजना पर कार्यरत सभी इंजीनियरो एवं मजदूरो को पूरी सैनिक सुरक्षा प्रदान की जाये तथा निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर पुरा करवाया जाये। फिलहाल उपलब्ध पानी के इश्टतम उपयोग को सुनि ि चत करने के लिए नहरो तथा खालो की सफाई कराई जाएगी, कच्ची नहरो को पक्का करने तथा टूटी नहरो की मरम्मत करने के काम पर पूरा जोर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त सिंचाई

की छोटी, बडी और दरम्यानी स्कीमो को तेजी से पूरा करवाया जाएगा।

9.बिजली के प्रर्यापत प्रबन्ध की अनिवार्यता के प्रति भी मेरी सरकार सजग है। राज्य में उर्जा की बढती हुई खपत को देखते हुए अतिरिक्त उर्जा उत्पादन की क्षमता पैदा करने के प्रयास किये जाएंगे। यमुनानगर ताप बिजलीघर का निर्माण तेजी से करवाया जाएगा। बन्द पडे हुए यूनिटो को चालू किया जाएगा। बिजली की चोरी एवं वहन क्षतियो को रोकने के लिए वि ोश प्रयास चालू कर दिए गए है। अगले तीन महीनो में बिजली की सप्लाई में 25 प्रति ात की वृद्धि करने के लिए भरकस प्रयत्न किये जाएंगे।

10. बिजली तथा पानी उपलब्ध कराने के अलावा मेरी सरकार किसानो की अन्य आव यकताओ से भी भली भांति परिचित है। हम कृशि का विकास करना चाहते है। खेती–बाडी से सम्बन्धित गतिविधियो को प्रोन्नत करने के लिए कृशि के मूलभूत ढांचेके विकास की ओर वि ोश ध्यान दिया जाएगा। वर्श 1991–92 के लिए खाद्यान्नो के उत्पादन का लक्ष्य 101.20 लाख टन निर्धारित किया गया है। गन्ना, कपास तथा तिलहनो का लक्ष्य क्रम ाः 8.50 लाख टन, 12.50 लाख टन गांटे तथा 5.40 लाख टन रखा गया है इन लक्ष्यो की प्राप्ति के लिए तथा खेती की अधिक पैदावार के लिए मेरी सरकार प्रमाणित बीज, उर्वरक, खरपतवारना ाक दवाईयो आदि का पूरा प्रबन्ध करेगी तथा समय

पर किसानो को उपलब्ध कराएगी। इसके साथ साथ फसली ऋण तथा अनुदान जैसी सुविधाएं भी उचित समय पर उपलब्ध करायी जाएंगी।

11. सरकार ने किसानो के सहकारी बैंको के कर्जो पर पिछले सात साल का ब्याज माफ करने का भी निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त ऋणो का भुगतान न कर सकने के कारण डिफाल्टर घोशित हुए किसानो को फिर से कर्जा उपलब्ध कराने के उपाय भी किए जाएंगे।

12. खेती में विविधीकरण की आव यकता को ध्यान में रखते हुए तथा फलो, फूलो, सब्जियो, खुम्बी, औशधीय पौधो तथा रे ामक को विकसित करने के लिए सरकार बागबानी के विकास की गति को और अधिक तेज करेगी। डेरी विकास के कार्यकमो को भी सुचारु ढंग से लागू किया जाएगा। भू–संरक्षण तथा भूमि विकास के कार्यकमो की ओर वि ोश ध्यान दिया जाएगा।

13. गत वर्शो में प्रदे ा के औद्योगिक विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी रही है। वास्तविकता यह है कि नई सरकार को औद्योगिक वातावरण की अत्यन्त बुरी हालत विरासत में मिली और इसके कारण उद्योगों का हरियाणासे दूसरे प्रान्तो में पलायन हुआ है। नई सरकार राज्य को उद्योगीकरण के पथ पर तेजी से आगे बढाने के लिए कृतसंकल्प है। वर्श 1991–92 के दौरान 40 बडी तथा मध्यम दर्जे की औद्योगिक इकाइयां लगाए जाने की सम्भावना

है जिनके द्वारा 3000 लोगो को रोजगार के अवसर जुटाए जा सकेंगे। आठवी योजना के दौरान ऐसी 200 इकाईयो लगाने की सम्भावना है जिसने लगभग 15000 लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा। नई इकाइयो को सभी आधारभूत सूविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

14. जैसा की आप सभी जाने है कि बेरोजगारी की समस्या गम्भीर रुप धारण किए हुए है। मेरी सरकार एक ऐसी योजना बनाने पर विचार कर रही है जिसके द्वारा प्रत्येक परिवार के कम से कम एक ि ाक्षित व्यक्ति को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ साथ नवयुवको को स्व–रोजगार के साधन व अवसर जुटाने के लिए पूरी सहायता दी जाएगी। छोटे, बडे तथा ग्रामीण उद्योगो का विस्तार करके रोजगार के नए अवसर जुटाए जाएंगे। नवयुवको को तकनीकी ि ाक्षा की आव यकता को पूरा करने के लिए प्रदे ा में तकनीकी ि ाक्षा संस्थानो तथा इंजीनियरिंग संस्थानो का विस्तार किया जाएगा। औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थानो में ि ाक्षण सुविधाओ में सुधार लाने हेतु वि व बैक की सहायता से चलाई जा रही परियोजना को और तेजी से कियान्वित किया जाएगा।

15.मेरी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे वि ोश कार्यक्रमो जैसे कि समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रो में महिलाओ एवं बच्चो के विकास का कार्यक्रम, छोटे एवं सीमान्त किसानो को सहायता प्रदान करने का कार्यक्रम आदि

के कियनवन पर भी वि ोश बल देगी। सूखाग्रस्त क्षेत्रो तथा मरु भूमि विकास के कार्यकमो को और तेजी से लागू किया जाएगा।

16. मेरी सरकार का यह प्रयास होगा कि विकास के क्षेत्र में गावों और भाहरो में परस्पर सन्तुलन बनाए रखा जाए। हम सामंजस्य में वि वास करते है न कि विभाजनात्मकता में। अधिकारियो को विकास की अधुरी पडी सभी योजनाओ को पूरा करने के आदे ा दिए गए है। हरियाणा में आज भी 391 ऐसे गांव है जहां पीने के पानी की ठीक व्यवस्था नही है। सरकार यह सुनि चत करेगी कि चालू वर्श के दौरान ही इन सभी गावों में स्वच्छ पेय जल उपलब्ध करा दिया जाए। गावों की स्वच्छता की ओर सरकार का वि ोश ध्यान है। भारत सरकार की सहायता से कम लागत वाला ग्रामीण स्वच्छता का एक महत्वकांक्षी कार्यकम चलाने का प्रस्ताव है जिसका उद्दे य प्रत्येक घर के लिए एक भाौचालय की व्यवस्था करना होगा।

17. पिछले चार वर्शो में प्रदे ा भर में सभी पक्की सडको की हालत बहुत खराब हो गई हे। न तो नई सडको की संख्या में वि ोश वृद्धि हुई और न ही पहले बनाई गई सडको की ठीक देख–रेख की गई। टूटी पडी सडको की प्राथमिकता के आधार पर 6 महीने में ही मरम्मत करवा दी जाएगी तथा नई डको का योजनाबद्ध तरीके से निर्माण किया जाएगा। परिवहन सुविधाओ में भी सुधार लाया जाएगा।

18. महंगाई हमारे प्रदे ा तथा जनसाधारण की अर्थ–व्यवस्था को अस्त–व्यस्त किये हुए है। मेरी सरकार का भरकस प्रयत्न होगा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ एवं कारगर बनाया जाए तथा बढती हुई कीमतो पर रोकथाम लगाई जाए।

19. समाज कल्याण के क्षेत्र में अनुसूचित जातियो, पिछडे वर्गो, महिलाओ वृद्धो, आश्रित व्यक्तियो तथा समाज के अन्य दुर्बल व्यक्तियो की आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियो में सुधार लाना मेरी सरकार की नीति का एक महत्पूर्ण पहलू होगा। इन वर्गो के कल्याण के लिए नये कार्यकम बनाए जाएंगे तथा चालू कार्यकमो को और व्यापक बनाया जाएगा। सभी कार्यकमो को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा ताकि यह सुनि चित किया जा सके कि सभी योजनाओ एवं कार्यकमो का लाभ उन लोगो तक पहुंचे जिनके लिए वे बनाए गये है।

20. पिछली सरकार ने जस्टिस गुरनाम सिंह कमी ान की सिफारि ाो के आधार पर समाज के पिछडे वर्गो को उनके अधिकारो से वंचित करने की चेश्टा की। मेरी सरकार इस विशय का पूरी तरह से परीक्षण करेगी तथा पिछडे वर्गो के लिए आरक्षण नीति को सामाजिक तथा आर्थिक दृश्टी से स्वीकार्य मानदंडो के अनुरुप युक्तियुक्त बनाया जाएगा।

21. मेरी सरकार समाज के वयोवृद्ध वर्ग का पूरा सम्मान करती है। वृद्धावस्था पें ान के पात्र बुजुर्गो की आयु सीमा 65 साल से घटाकर 60 साल कर दी गई है। नई सरकार को कार्यभार सम्भालने पर ज्ञात हुआ कि पिछली सरकार ने गत आठ महीने से वृद्धावस्था पें ान की कोई कि त वितरित नही की है। ऐसी संभावना का भी आभास हुआ है कि गैर हकदार व्यक्तियो अथवा बेनामीदारो को भी वृद्धावस्था पें ान बांटी गई है। मेरी सरकार 60 वर्श की आयु को न्यूनतम स्तर मान कर भीघ्राति ीघ्र नई सूचियां तैयार करवा रही है। आयु सीमा घटाने से सरकार पर लगभग 25 करोड रुपये का अतिरिक्त बोझ पडेगा। सरकार यह सुनि चत करेगी कि भविश्य में पें ान वितरण का काम नियमित तथा सुव्यवस्थित ढंग से हो।

22. अनुसमचित जातियो के उत्थान के प्रति मेरी सरकार अपनी वचनबद्धता की पुनरावृति करती है। इस वर्ग के लिए संविधान मे दिये गए संरक्षण जारी रखे जाएंगे तथा सरकारी नौकरियो में उनका जो कोटा पूरा नही हो सका है उसे पूरा किया जाएगा। उन्हे ि ाक्षित बनाने के लिए वि ोश पग भी उठाये जाएंगे। बाबा भीम राव अम्बेडकर जन्म ाताब्दी की याद के रुप में एक द ाक तक वि ोश अनुदान उपलब्ध करायेगी। इसी तरह पिछडे वर्गो के कल्याण की ओर भी वि ोश ध्यान दिया जाएगा तथा सत्ता में उनकी भागीदारी सुनि चत की जायेगी। महिला विकास एवं ि ा ु कल्याण के प्रति भी मेरी सरकार कृतसंकल्प

है। अनुसूचित एवं पिछडी जातियो, अल्पसंख्यको तथा आर्थिक दूश्टी से कमजोर वर्गों की लडकियो को कालेज स्तर तक की ि ाक्षा मुफ्त दी जाएगी। योग्य महिलाओ को नौकरियो में प्राथमिकता दी जाएगी तथा विधवाओ को नियमित रुप से पैं ान उपलब्ध कराई जाएगी। बाल विकास परियोजनाओ को प्रत्येक विकास खण्ड में लागू किया जाएगा ताकि गर्भवती मां और 6 वर्श तक के बच्चो के लिए चिकित्सा के साथ–साथ पौश्टीक आहार की व्यवस्था की जा सके।

23. राज्य में ि ाक्षा तथा स्वास्थय की सुविधाओ के विकास एवं विस्तार के वि ोश प्रयास किए जाएंगे। राश्ट्रीय परिवार कल्याण प्र ि ाक्षण परियोजना वि व बैंक की सहायता से चलाई जानी है। हालांकि यह परियोजना काफी पहले स्वीकृत हो चुकी थी इस पर कोई महत्वपूर्ण काम अभी तक नही हुआ है। मेरी सरकार इस परियोजना को तत्परता के साथ लागू कराएगी। साक्षरता अभियान में तेजी लाई जाएगी तथा ि ाक्षा में गुणात्मक परिवर्तन लाया जाएगा। राज्य ि ाक्षा आयोग की स्थापना की जाएगी ताकि महाविद्यालयो एव ंविद्यालयो को आर्थिक तथा प्र ाासनिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रकिया को सुप्रवाही बनाया जा सके।

24. नई सरकार की हार्दिक अभिलाशा है कि प्रदे ा के विकास की गति को और अधिक तेज किया जाए तथा गरीब व कमजोर वर्गों की भलाई के लिए ज्यादा–से–ज्यादा कार्यकम चलाए

जाएं। परन्तु राज्य की वित्तीय स्थिती की नाजुकता उसकी एक बहुत बडी विव ता है। इस सरकार द्वारा कार्यभार सम्भालने के समय बजट में लगभग एक सौ करोड रुपय का घाटा अनुमानित था। केन्द्रीय बजट अभी तक पे ा नही हो सका है। इस देरी से ऋण तथा अनुदान के रुप में राज्य को होने वाली अतिरिक्त आया पर प्रतिकुल प्रभाव पडना स्वाभाविक है। बजटोत्तर खर्चो में बढोतरी से साधनो की उपलभ्यता में और भी कमी आई है। इन कठिन परिस्थितियो के बावजूद सरकार का यह दृढ नि चय है कि विकास एवं जनकल्याण के कार्यो पर किए जाने वाले खर्चो में कमी नही होनी दी जाएगी।

25. मेरी सरकार लोगो की सेवा के लिए प्र ाासन को अनु ाासन, कु ालता और कर्तव्य–निश्ठा की भावना से प्रेरित करने के लिए कृतसंकल्प हैं भ्रश्टाचार निरोधक उपायो को अधिक सख्ती से लागू किया जाएगा ताकि सार्वजनिक जीवन में भ्रश्टाचार को मिटाया जा सके। समाज के सभी वर्गो को समान न्याय दिया जाएगा। सरकार का यह प्रयास होगा कि प्र ाासन और लोगो के बीच की दूरी को कम किया जाए। सरकारी तंत्र को संवेदन ील बनाया जाएगा ताकि यह सुनि चत किया जा सके कि लोगो की समस्याओ का समाधान, जहां तक सम्भव हो, स्थानीय अधिकारी ही कर सके और उन्हे चण्डीगढ या जिला मुख्यालयो पर अनाव यक रुप में न जाना पडे। मुझे पूर्ण वि वास है कि कर्तव्य परायण,

ईमानदार तथा कु ाल अधिकारियो एवं कर्मचारियो के सकिय सहयोग से ऐसा सम्भव हो सकेगा।

26. माननीय सदस्यगण, मैने नई सरकार के अगामी कार्यक्रमो तथा नीतियो का बहुत ही संक्षेप में परिचय दिया है। इस अभिभाशण में वयक्त मुद्दे इस गरिमा–सम्पन्न सदन में परिचर्चा का उपयुक्त आधार बनेगे ऐसी मेरी धारणा है। लोगो के चुने हुए प्रतिनिधि होने के नाते आपको एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इस प्रदे ा का आर्थिक और सामाजिक विकास अब आप सबो पर निर्भर करता है। मुझे पूरा वि वास है कि आपके सहयोग से इस प्रगति ाील प्रदे ा को हम सामाजिक समता तथा आर्थिक समृद्धि के ऊंचे स्तर पर ले जाएंगे।

मै आपको अपनी भाुभकामनाएं देता हूं।

जयहिन्द''

## अध्यक्ष द्वारा सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

**श्री अध्यक्षः** आनरेबल मैम्बर्ज इलैक ान कमि ान आफ इंडिया की नोटिफिके ान नं0 308/एच एन एल ए/91, दिनांक 23 जून, 1991 जो रिप्रेजेंटे ान आफ दि पीपल ऐक्ट, 1951 की सैक ान 73 के अण्डर इ ाू की गई थी, की कापी हाऊस की टेबल पर ले की जाती है।

## अध्यक्ष द्वारा घोशणा

## पैनल आफ चेयरमैन सम्बन्धी

**श्री अध्यक्षः** आनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सभा के रुल्ज़ औफ प्रोसिजन एण्ड कण्डक्ट औफ बिजनेस के रुल 13(1) के अधीन मै फोलोइंग मैम्बर्ज को पैनल आफ चेयनमैन मे काम करने के लिए नौमिनेट करता हूः—

1, श्री मोहम्मद असलम खान

2. श्री छतरपाल सिंह

3. श्री सतबीर सिंह कादयान

4. श्री अमर सिंह धानक

अनुपस्थिती की अनुमति

**श्री अध्यक्षः** आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री औम प्रका ा भार्मा, एम0 एल0 ए0 जगाधरी की ओर से इन्टिमे ान मिली है, जो इस प्रकार हैः—

“Due to accident, Doctor advised bed rest (,) Unable to attend the Session(.).

Question is-

That permission for leave of absence for the current Session of Haryana Vidhan Sabha be granted.

**Voices** Yes, Yes.

The motion was carried.

## सचिव द्वारा घोशणा

## राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सम्बन्धी

**श्री अध्यक्ष:** अब सैकटरी साहब अनाऊंसमैंट करेंगे।

**Secretary:** Sir, I beg to lay on the Table of the House a statement showing the bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its Budget (February-March) Session. 1991. and have since been assented to by the Governor.

1. The Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1991.

2. The Haryana Relief of Agricultural Indebtedness (Amendment) Bill, 1991.

3. The Faridabad Complex (Regulation and Development) Amendment Bill, 1991.

4. The Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill, 1991.

5. The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1991.

6. The Haryana Motor Transpor Vehicles (Toll) Bill, 1991.

7. The Haryana Appropriation (No. 1) Bill,1991.

8. The Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1991.

9. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1991.

10. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1991.

11. The Punjab Security of Land Tenured (Haryana Amendment) Bill, 1991.

## भाोक प्रस्ताव

**Mr. Speaker:** Now a minister to make bituary references.

**मुख्य मंत्री (श्री भजन लाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, और सम्मानित सदस्यगण, पहले सत्र और इस सत्र के अर्से के बीच कुछ महानुभाव स्वर्ग सिधार गए है। मै उनके लिए औविचुअरी रेजोल्यू ान पे ा करता हूं।

## श्री राजी गांधी, भूतपूर्व प्रधान मंत्री

यह सदन भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री तथा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष श्री राजीव गांधी की 21 मई, 1991 को हुई जघन्य हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को हुआ। उन्हे बचपन से ही अपने घर में वि व के महानतम नेताओ का सानिध्य प्राप्त हुआ। उनका व्यक्तिव कडे अनु ाासन, संयम और दे ा भक्ति के वातावरण में विकसित हुआ। उन्होने अपना जीवन इंडियन एयरलाईन्स में एक पायलट के रुप में आरम्भ किया और

भीघ्र ही अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से अपने सभी सहयोगियो का हृदय जीत लिया। उन्होने 1980 मे राजनीति में प्रवे ा किया और वे वर्श 1981, 1984 व 1989 में लोक सभा के लिए चुने गये। उन्होने वर्श 1981 से 1984 तक कांग्रेस पार्टी के महासचित के रुप में जन जीवन पर एक अटूट छाप छोडी। वर्श 1984 में 40 वर्श की आयु में उन्होने दे ा के प्रधान मंत्री का कार्यभार सम्भाला। उस समय वे वि व के सबसे बडे प्रजातंत्र के सबसे कम आयु वाले राज प्रमुख थे। 1984 से 1989 तक उन्होने अत्यन्त साहस, दूरदर्िाता और वैज्ञानिक दृश्टीकोण से दे ा की तेजी से आधुनिकीकरण और प्रगति की ओर बढावा दिया और कई जटिल महान समस्याओ का समाधान किया। उनके असामयिक निधान से न केवल भारत का बल्कि समूचे वि व का एक अत्यन्त होनहार व अग्रणी नेता छिन गया है।

श्री राजीव गांधी वास्तव में अत्यन्त उदार ह्दय, स्नेह ील और विवके ील थे जिन्होने अपने भाालीन और सौम्य व्यक्तित्व से समूचे वि व के राजनायिको में अपना वि ोश स्थान बना लिया था। वे एक महान दे ाभक्त अत्यन्त परिश्रमी तथा ओजस्वी थे जिन्होने इस क्षेत्र और समूचे वि व में भारत की गरिमा को बढायाऔर दे ा की अर्थव्यवस्था और औद्योगिकरण को आधुनिक बनाने में महान योगदान दिया। विनम्र और मृदुभाशी होने के साथ वे अत्यन्त साहसी व निडर थे और कैसे भी खतरो के बावजूद भी अपने कर्तव्यो से तनिक भी पीछे नही हटते थे।

कठिन से कठिन परिस्थितियो में भी वे सदा मुस्कुराते रहते थे और अपने सहयोगियो के लिए एक आद र्ा और प्रेरणा का स्तोत्र थे।

राश्ट्र के प्रति उनकी उत्कुश्ट और सराहनीय सेवाओ को ध्यान में रखते हुए उन्हे दे ा के सर्वोच्च नागरिक अलंकरण, भारत रत्न, से मरणोपरान्त विभूशित किया गया।

यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री उमा भांकर दीक्षित, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री**

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री उमा ांकर दीक्षित के 30मई, 1991 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री उमा ांकर दीक्षित का जन्म 12जनवरी, 1901 को उत्तर प्रदे ा के उन्नाव जिले के उगू गांव में हुआ था। उन्होने स्वतंत्रता संग्राम में सकीय भाग लिया तथा चार बार जेल यात्रा की। वे 1971–75 के दौरान केन्द्रीय मंत्री रहे। वे 1976 में कर्नाटक के राज्यपाल नियुक्त हुए। वे 1984 से 1986 तक पि चमी–बंगाल के राज्यपाल रहे। राजनीति के अलावा उनकी पत्रकारिता तथा सामाजिक उत्थान में भी गहरी रुचि थी।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक, एवं स्वतंत्रता सेनानी तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

## श्री दिने ा गोस्वामी, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री दिने ा गोस्वामी के 2जून, 1991 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री दिने ा गोस्वामी का जन्म 27 मई, 1935 को असम के जिला बारपेटा में पल्लासातडा के स्थान पर हुआ। वे 1971 तथा 1984 में लोक सभा के लिए चुने गए। वह 1978–84 के दौरान राज्य सभा के सदस्य रहे तथा 1990 में पुनः राज्य सभा के सदस्य बने। वह 1989–90 के दौरान केन्द्रीय मंत्री रहे। वह विदे ा जाने वाले अनेक संसदीय ि ाश्टमण्डलो के साथ रहे। उन्होने दे ा को वर्तमान समस्याओ पर भी पुस्तके लिखी।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

## श्री श्रीपाद अमृत डांगे, वयोवृद्ध कम्यूनिस्ट नेता

यह सदन वयोवृद्ध कम्यूनिस्ट नेता श्री श्रीपाद अमृत डांगे के 22 मई, 1991 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

वर्श 1899 में बम्बई के एक महाराश्ट्रीय ब्राहमण परिवार में जन्मे श्री डांगे ने अपना प्रारम्भिक राजनीतिक जीवन अंग्रेज साम्राज्य के विरोध में छिडे हुए आन्दोलन में भाग लेते हुए आरम्भ किया। इसके परिणामस्वरुप उन्हे 21 वर्श की आयु में ही अपनी पढाई छोड देनी पडी। उन्हे 1924 में कानपूर ाड्यंत्र के मामले में 3वर्श के लिए, 1929 मे मेरठ ाडृयंत्र के मामले में 6 वर्श के लिए तथा 1939 में युद्ध विरोधी अपनी गतिविधियो के कारण 4 वर्श के लिए कारावास का दंड भुगतना पडा।

श्री डांगे 1962 में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी की राश्ट्रीय परिशद् के अध्यक्ष बने और वह 1979 तक इसी पद पर आसीन रहे। वह वि व कार्मिक संघ के उपाघ्यक्ष भी रहे। वह 1957 में पहली बार तथा पुनः 1967 में लोक सभा के लिए चुने गए।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापको में से एक श्री श्रीपाद् अमुज डांगे ने स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व तथा बाद में भारत की केन्द्रीय स्तर की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना में वह श्री एम0 एन0 राय के निकट सहयोगी रहे। वयोवृद्ध नेता श्री डांगे कार्मिक संघ के आन्दोलने में सकीय रुप से भाग लेते रहे। उन्होने अखिल

भारतीय कार्मिक संघ कांग्रेस (ऐटक) को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से सम्बंध एक मुख्य संगठन बनाने में एक केन्द्रीय भूमिका निभाई।

श्री डांगे ने अन्तराश्ट्रीय ख्याति प्राप्त कम्यूनिस्ट के रुप में अपनी अमिट छाप छोडी है। उनकी प्रकृश्ट उपलब्धियो के कारण उन्हे सोवियत यूनियन द्वारा 1974 में ''आर्डर आफ लेनिन'' से पुरस्कृत किया गया।

उनके निधन से दे ा एक वयोवृद्ध कम्युनिस्ट नेता, एक स्वतंत्रता सेनानी तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री काहन सिंह बोहरा, पैपसू विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष**

यह सदन पैप्सू विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री काहन सिंह बोहरा के 13 अप्रैल, 1991 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री काहन सिंह बोहरा, 1952 में पैप्सू विधान सभा के लिए चुने गए। वह पैप्सू विधान सभा के पहले अध्यक्ष थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री बिहारी लाल वाल्मीकि, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य**

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री बिहारी लाल वाल्मीकि के 5मई, 1991 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री बिहारी लाल वाल्मीकि का जन्म 15 मई, 1923 को फरीदाबादमें हुआ। उन्होने अपना जीवन 1962 में नगरपालिका फरीदाबाद के उप प्रधान के रुप में आरम्भ किया। उन्होने हरिजन में गहरी रुचि ली तथा वह हरिजनो के उत्थान व कल्याण्पा सम्बन्धी विभिन्न समितियो के सदस्य रहे। वह 1972 से 1977 तक हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक तथा एक प्रमुख सामाजिक कार्यकता की सेवाओ सं वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

**श्री प्रेम सुख दास, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य**

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री प्रेम सुख दास के 22 मार्च, 1991 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री प्रेम सुख दास का जन्म मई, 1914में हुआ। वह 1941 में सिरसा नगरपालिका के सदस्य निर्वाचित हुए। वह 1954 से 1966 तक संयुक्त पंजाब विधान परिशद् के सदस्य रहे। वह

1967, 1968 तथा 1972 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**चौधरी हर कि ान, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य**

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य चौधरी हर कि ान के 11 जून, 1991 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

चौधरी हर कि ान का जन्म 15 दिसम्बर, 1932 को हुआ। वह व्यवसाय से एक वकील थे। वह 1962–67 के दौरान संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह कई भौक्षिक संस्थाओ से संबंद्ध रहे। उन्हे 1971 में हरियाणा सरकार द्वारा राश्ट्रीय अल्प बचन योजना 1968–69 में सहायता प्रदान करने के लिए प्र ांसा–पत्र दिया गया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री चित्ता माहता, संसद सदस्य**

यह सदन संसद सदस्य श्री चित्ता माहता के 7 जुलाई, 1991 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री चित्ता माहता का जन्म पहली मई, 1937 को पि चमी बंगाल के जिला पुरुिया में हुआ। वह 1967–68 के दौरान पि चमी बंगला विधान सभा के सदस्य रहे। वह वर्श 1977 से लोक सभा के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री पी के कुजावन, राज्य सभा के सदस्य**

यह सदन राज्य सभा के सदस्य श्री पी0 के0 कुंजावन के 14 जून, 1991 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री कुंजावन केरल राज्य विधान सभा के तीन बाद सदस्य चुने गए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मा) की केन्द्रीय समिति के सदस्य के अलावा वह अखिल भारतीय किसान वर्कर्ज़ यूनियन के महासचिव भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य सांसद तथा कृशि समुदाय के अधिकारो के लिए संघर्शरत एक प्रमुख सेनानी की

सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला):** अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव अभी पे ा किया है, उसी पर मै कुछ कहने के लिए खडा हुआ हू। इनमें से जो दिवंगत आत्माएं है, बहुत से जो लोग है वे इसी सदन के मैम्बर रहे है और हरियाणा से उनका ताल्लुक था। आपसे, मेरे से और सभी दूसरे सदस्य जो यहां बैठे है उनसे उनका बहुत निकट ताल्लुक रहा है। इनमें कुछ केन्द्रीय नेता भी रहे है। इन सब के निान से हम सब को गहा दुख है। मुझे वि ोश तौर से स्वर्गीय श्री राजीव गांधी के बारे में अपनी श्रद्धांजलि देनी है। श्री राजीव गांधी के बारे में इतना कुछ कहा जा सकता है लेकिन आज का प्रस्ताव उसके लिए उपयुक्त नही है कि पूरी बात उनके बारे में कही जा सके। वे चालीस साल की छोटी उम्र में दुनिया में भारत के सबसे पहले नौजवान प्रधान मंत्री बने। जब वे राजनीति में आए थे तो लोगो ने बहुत भांकाए उनके बारे में की थी कि वे राजनीति को समझते है या नही और वे अपना कारोबार चला सकेगे या नही। लेकिन अध्यक्ष महोदय, जब वे प्रधान मंत्री बने और उन्होने दे ा की न केवल राजनीति को बल्कि पूरे दे ा के राजतंत्र को एक नया मोड दिया। उन्होने वि ोश तौर पर साइंस एंड टैक्नोलोजी का प्रसार करते हुए पूरे प्र ाासन की मौड्रेनाईजे ान करने की पूरी कोि ा ा की और

दे ा को आज के युग के अनुसार पूरी दुनिया के बेहतरीन तरक्की पसंद मुल्को के मुताबिक ढालने की पहल की। उन्होने जो मार्गद र्ान दिया, उससे इस दे ा के सर्व–साधारण लोगो को जो फायदा पहुंचा है, उसकी चर्चा किए बगैर मै नही रहूंगा। मै यह बात कहे बगैर नही रह सकता कि श्री राजीव गांधी ट्रांसपोर्ट के विशय में, एक नई उदार नीति लेकर न आते तो इस दे ा के हजारो नही बल्कि लाखो लोअर मिडल क्लास और मिडल क्लास के लोगो के पास आज साइकिल, मोटर साइकिल, स्कूटर, कैंटर और कार चलाने के लिए नही होते। श्री राजीव गांधी की ट्रांसपोर्ट के विशय में उदार नीति होने के कारण ही लोगो के पास साइकिल, मोटर साइकिल, स्कूटर, कैंटर और कार चलाने के लिए नही होते। श्री राजीव गांधी ने इस दे ा की चहुमुखी उन्नती की। उनका इस दे ा को अच्छे ढंग के साथ 21वी सदी में ले जाने का स्वप्न था ताकि कम से कम हम दूसरे मुल्को के साथ कम्पीट ही न कर सके बल्कि कई दे ाो से आगे हों और बहुत से दे ाो के बराबर हो, लेकिन अचानक उनकी मौत ने उनको हमसे छीन लिया जिसके कारण हिन्दुस्तान बहुत सी बातो से वंचित रह गया। मै श्री राजीव गांधी जी के बारे में एक और बात कहना चाहूंगा कि वे बडे सच्चे दे ा भक्त थे। उन्होने इस दे ा के लिए अपनी जान तक की कुर्बानी दी। कुर्बानी का इससे बडा सबूत और कोई नही हो सकता। उनका सर्व–साधारण कार्यकताओ के साथ बहुत ही गहरा ताल्लुक और दिलचस्पी थी। सच बात यह है कि इसी सदन में बैठे हुए मै और मेरे कितने ही साथी जो कांग्रेस पार्टी में है

और कांग्रेस पाटी मे रहे है, उनको पता है कि राजीव गांधी अपने पूरे जीवन में किस तरह से एक छोटी से छोटी बात में कितनी दिलचस्पी रखते थे, उसका वर्णन करना बहुत ही मु कल है। मे व्यक्तिगत तौर पर यह बात कहना चाहूंगा कि वे हमारे जैसे छोटे–छोटे कार्यकताओ के परिवारो की राजी खु ी पुछते थे। हम समझते है कि उनकी मौत से हम सभी को भारी धक्का लगा है,हम खो गए है ओर एक चौराहे पर खडे है। श्री राजीव गांधी को एक–एक कार्यकता के साथ बहुत नजदीकी से रुचि थी। 1987 के चुनावो से चार पांच महीने पहले, जब वह प्रधान मंत्री थे, उस समय वह मेरे क्षेत्र में बिना पूर्व प्रोग्राम की घोशणा किए आए थे और वह मेरे साथ मेरे क्षेत्र के कई गावों में गए थे। मेरे क्षेत्र में एक गांव भिखेवाला है जहां पर वे रुके थे। उस गांव के हरिजनो के एक एक घर में वे गए थे और उस समय लोगो ने उनके सामने अपनी समस्याए रखी थी। उस गांव के लोगो ने राजीव गांधी चौक के नाम से अपने गांव में एक स्मारक बनाया है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से श्री राजीव गांधी के दिल में एक सर्वसाधारण कार्यकता से लेकर पूरे दे ा को आगे ले जाने की बात का एक बडा भारी स्वप्न था। कई पार्टियो की तरफ से उनको राजनैतिक तौर पर बदनामकरने की को ि ा ा भी की गई। श्री राजीव गांधी जब नए नए राजनीति में आए तो के 'क्लीन' के नाम से जाने जाते थे। आपने देखा होगा कि जब 1989 के लोक सभा चुनाव हुए थे, उससे पहले उनके खिलाफ ऐसे लांछन लगाए गए जिनसे बहुत से लोगो को यह वि वास होने लगा कि भाायद

इसमें कुछ सच्चाई है, लेकिन समय के साथ साथ यह बात भी लोगो के सामने आ गई। उसमें एक झूठी बातो के पुलिन्दे के सिवाय कुछ भी सच्चाई नही थी। श्री राजीव गांधी जिस दिन इस दे ा के प्रधान मंत्री बने और जिस दिन उनका निधन हुआ। जितने साफ सुथरे वे पहले दिन थे उतने ही साफ सुथरे वे उस दिन थे। उनको वयक्तिगत तौर पर लाभ उठाने का कोई सरोकार नही था। अध्यक्ष महोदय, जिन ताकतो ने राजीव गांधी का निधन किया है, वे ताकते हिन्दुस्तान की दु मन है। यह किसी एक व्यक्ति या कुछ वयक्तियो का काम नही हो सकता। चाहे कोई संस्था आज किसी व्यक्ति का नाम ले और चाहे तफती ा करने वाली एजेंसी किसी व्यक्ति का नाम ले, लेकिन सच्चाई यह है कि जो बडे भारी भाक्ति ाली दे ा है, जो हिन्दुस्तान को तोडना चाहते है। वे इस ाडयंत्र में भाामिल है। कुछ भाक्तियां नही चाहती कि हिन्दुस्तान तरक्की करे, अपने पावों पर खडा हो। ऐसी भाक्तियां नही चाहती कि जो पूरी दुनिया में साम्राज्यवादी भाक्तियां है, उनको भारत मुहं तोड जवाब दे ओर अन्तराश्ट्रीय नीतियां है उनको स्थापित करने में पहल करे। इन सब बातो के लिए ही राजीव गांधी प्रतीक बन चुके थे। इन सब बातो को खत्म करने के लिए ही राजीव गांधी जी का कत्ल किया गया और यह इतना भारी ाडयंत्र उनके लिए रचा गया था। श्री राजीव गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि आज यही होगी कि और बहादुर लोग है, उनको इकटठा हो कर चलना चाहिए और दे ा को बचाने और मजबूत करने के लिए इन सभी में एकता होनी बहुत जरुरी है। श्री राजीव

गांधी की आत्मा को, रुह को इस बात से भाांति मिल सकती है अगर इस दे ा को एकता और अखण्डता का उनका सपना साकार हो। स्पीकर साहब, इन भाब्दो के साथ मै अपनी बात समाप्त करते हुए और अपनी श्रद्धांजलि उनके चरणो में अर्पित करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

**श्री सम्पत सिंह (भटटू कलां):** स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मै उसका अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। स्पीकर साहब, जब भी हाउस बैठता है तो पिछले हाउस की जो लास्ट सिटिंग होती है, उस से लेकर दुबारा सै ान भाुरु होने के बीच के अर्से में बहुत सी महान आत्माएं इस संसार से जा चुकी होती है। यह प्रकृति का एक नियम है कि जो इस संसार में आया है, उसको एक दिन अव य ही जाना है। लेकिन कुछ मौते ऐसी हो जाती है कुछ ऐसे व्यक्ति हमारे बीच से चले जाते है जिनकी इस दे ा को और समाज को काफी जरुरत होती है। ऐसे लोग जिनसे दे ा को और समाज को फायदा उठाना होता है और जिन्होने दे ा को और अपने समाज को नई परम्पराए देनी होती है और दे ा को आगे ले जाना होता है, जब अचानक इस संसार सेविदा हो जाते है तो स्वाभाविक है हर आदमी को उनके चले जाने का बडा दुरुख आता है। स्पीकर साहब, मै भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी के विचारो के साथ पूरी तरह सहमत हूं कि श्री राजीव गांधी का जो अकस्मात निधन हुआ है, उससे सारा दे ा

ही नही बल्कि सारा वि व ही हिल गया है। इसमें कोई दो राय नही है कि उनकी हत्या में बहुत बडी साजि ा रही है। जो कमी ान उनकी मौत की जांच के लिए बैठाया गया है, वह इस बात का पता लगायेगा कि किन लोगो की वजह से उनकी हत्या हुई है। इस बात को सारा दे ा और सारा वि व जानने के लिए इच्छुक है।उनका जो कत्ल किया गया है यह प्रजातंत्र के लिए एक बहुत बुरी और गलत परम्परा है। उनकी हत्या के कारणो का पता अव य लगना चाहिए और यह भी पता लगना चाहिए कि उनकी किन ताकतो ने हत्या की है। स्पीकर साहब, इस परिवार ने दे ा पर राज करने का सुख भोगा है लेकिन साथ ही साथ उनके परिवार की कुर्बानी भी इस दे ा के लिए बराबर की रही है। स्पीकर साहब, राजीव गांधी राजनीति में आने के बिल्कुल इच्छुक नही थे। वे हरफनमौला किस्म के व्यक्ति थे। राजनीति में उनकी कोई रुचि नही थी। जब उनकी मां दे ा की प्रधान मंत्री थी तो भी उन्होने कभी उसका कोई फायदा नही उठाया। उनसे पहले श्री जवाहर लाल नेहरु जी भी दे ा के प्रधान मंत्री रहे है लेकिन राजीव गांधी जी ने राजनीति में आने के लिए अपनी कभी कोई रुचि नही दिखाई। वे एक अलग किस्म का आनन्द का जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति थे। श्री संजय गांधी की 1980 में एक ऐक्सीडैंटमें मृत्यु होने के प चात् वे राजनीति में आए। श्रीमती इंदिरा गांधी का 1984 मे कत्ल हो गया। उनके कत्ल के बाद वे दे ा के प्रधान मंत्री बने। जब वे राजनीति में आए तो उस समय राजनीति के मामलो में वे बिल्कुल अनजान व्यक्ति की तरह थे,

जब वे प्रधान मंत्री बने तो लोग यही कहते थे कि यह केवल मात्र परिवार की वजह से दे ा का प्रधान मंत्री बना है। यह क्या दे ा को चला पाएगा और क्या दे ा के लिए कर पाएगा? लेकिन जैसे दे ा को उन्होने चलाया है, वह सबके सामने है। मै इन बातो पर नही जाता। जो चार्जिज लगाए गये, वे झुठे है या सच्चे है, यह कंट्रोवर्सी का विशय हो सकता है। इस दे ा में डैमोकसी है, यह समाज इसको मानता है। जो भी पार्टी आवाज उठाती है उसको लोग सम्मान देते है। चाहे कितना ही बडा लीडर हो, चाहे कितनी बडी लिडिंग पार्टी हो, वह जनता को जवाब देह है। गलत बात के खिलाफ दे ा में आवाज उठती है। हम लोग इस दे ा के संविधान की कसम खा कर आते है और उसके प्रति निश्ठा भी रखते है। जो चार्जिज उन पर लगाए गए, वे झुठे है या सच्चे, यह अलग बात है लेकिन श्री राजवी गांधी की अचानक मौत से दे ा का बहुत बडा नुकसान हुआ है, इसमें कोई दो राय नही है। ऐसी दुखदायी बात चाहे किसी भी पार्टी के लिडर के साथ हुई हो, चाहे किसी समाजसुधारक के साथ हुई हो, चाहे किसी साधारण नागरिक के साथ ही क्यां न हुई हो, यह बहुत ही बुरी बात है और सब से बडी बात तो यह है कि ऐसा क्यों हुआ? स्पीकर साहब, इस दे ा में बहुत से लोग है जो जातिवाद और धर्म के तवे को गर्म करके उन पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकेगे, उसमें उनकी अपनी उंगलियो भी जलेंगी ही। लोगो ने जिस गर्म तवे पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेकी, वह गर्म तवा है जात–पात और धर्म की राजनीत का। श्री राजीव गांधी की हत्या भी इन्ही बातो

का नतीजा है। सारे दे ा के अन्दर आज जाति–पाति का जहर फैला हुआ है और हर रोज किसी न किसी बहन का भाई बिछुड जाता है, किसी मां का बेटा चला जाता हैतथा किसी पत्नी का पति चला जाता है। इस तरह की बातें अब रोज होने लगी है जिन्हे खत्म करने का कोई विकल्प दे ा के सामने नही है। अगर इस हिंसा को सारे दे ा से खत्म करना है तो इस बारे में सारे दे ा के लोगो को सोचना पडेगा और इन बातो को रोकना पडेगा वरना किसी दिन हमें पछताना पडेगा। हम सब लोग मिलजुल कर कम से कम ऐसी ताकतो को जरुर खत्म करें जो इस दे ा को कमजोर करनाा चाहती है। सुरजेवाला जी ने ठीक ही कहा है कि राजनैतिक तौर पर बहुत लोगो को बडा नुकसान हुआ है, लोग दोराहे पर खडे है। इस में कोई दो राय नही है वे एक महान व्यक्ति थे। ऐसे व्यक्तियो के चले जाने से राजनैतिक तौर पर बहुत लोगो को बडा नुकसान होता है। उनकी मौत से जहां दे ा में समीकरण बदले है, वही प्रदे ा में भी समीकरण बदल गए है। उनकी मृत्यू के बाद आज सभी लोग इस बात को महसूस कर रहे है कि अगर राजीव गांधी जीवित होते तो वह उस पद पर होता या इस पद पर होता। उनके न रहनेसे बहुत से लोगो को मायुसी हुई है। उनके चले जाने से दे ा का बहुत नुकसान हुआ है, उनक भाोक संतप्त परिवार के प्रति हमें पूरी हमदर्दी है। मै उन्हे अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की आरे से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। स्पीकर साहब, इसके अलावा और भी बहुत से महानुभाव हमारे बीच से चले गए है। श्री उमा भांकर दीक्षित जी केन्द्रीय

गृहमत्री रहे और फ्रीडम फाईटर भी रहे है। वे बहुत ही सुझ–बुझ वाले व्यकि, समाजसेवी और राजनैतिक व्यक्ति थे। उनके निधन से एक अच्छा राजनेता, समाजसेवी और सूझबूझ वाला व्यक्ति उठ गया है। मै उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवार से सहानुभूति व्यक्त करता हू।

श्री दिने ा गोस्वामी अभी हाल ही में पिछली सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे। उनको ि ाक्षा जगत से बडा लगाव था। वे बहुत ही अच्छे समाज सुधारक और बडे अच्छे वकील थे। एक ऐक्सीडेंट में उनका आकस्मिक निधन हो गया। मै उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा उनके परिवार के साथ पूरी सहानुभूति प्रकट करता हूं। स्पीकर साहब, ऐसे ही श्री श्रीपाद अमृत डांगे जी का निधन हो गया है। स्पीकर साहब, ऐसे लोगो की वजह से ही यह दे ा आजाद हुआ था। इन जैसे लोगो ने कुर्बानियां दे कर दे ा की आजादी की लडाई लडी। वे सैंकडो बार जेल गए। अंग्रेजो की दह ात और आतंक का उन्होने डट कर मुकाबला किया और दे ा को आजाद करवाया। वे बहुत ही अनुभवी व्यक्ति थे। उनके निधन से जहां उनकी पार्टी को नुकसान हुआ है, वहीं दे ा का भी बहुत बडा नुकसान हुआ है। मे उनके परिवार से अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

इसी तरह से श्री काहन सिंह बोहरा 1952 मे पैप्सू विधान सभा के सदस्य बने। वे पैप्सू विधान सभा के पहले स्पीकर

बने। वे भी हमारे बीच से चले गए है जिनके अनुभव से लाभ उठाने से हम वंचित रह गए है।

श्री बिहारी लाल वाल्मीकी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य थे। वे बहुत बडे समाज सेवी थे। हरिजनो के कल्याण के लिए वे सदैव चिंतित रहते थे ओर सदैव ही लोगो की भलाई के कामो में लगे रहते थे। उनकी मौत से भी हमको सदमा पहुचा है।

स्पीकर साहब, इसी तरह से प्रेम सुख दास भी हमसे बिछुड गए है। वे 1954 से 1966 तक पंजाब लैजिस्लेटिव कौंसिल के मैम्बर रहे और हरियाणा बनने के बाद 1967, 1968 और 1972 में हरियाणा विधान सभा के मैम्बर चुने गए। वे बहुत ही मिलनसार और अनुभवी आदमी थे। उनके चले जाने से उनके अनुभव से हम वंचित हो गए है।चौधरी हरकि ा, ज्वायंट पंजाब में पंजाब विधान सभा के मैम्बर रहे। उनकी मौत से बडा नुकसान हुआ है।

स्पीकर साहब, श्री चित्ता माहता बंगाल विधान सभा के सदस्य थे और 1977 में वे लोक सभा के सदस्य रहे। उनकी मौत से दे ा को काफी नुकसान हुआ है।

स्पीकर साहब, श्री पी0 के0 कुंजाचन तीन बार केरल विधान सभा के सदस्य रहे। इनकी मृत्यु से भी दे ा को काफी नुकसान हुआ है। स्पीकर साहब, ऐसे लोगो के चले जाने से दे ा को बहुत नुकसान होता है। इसी तरह से, स्पीकर साहब, पिछले दिनो एक फौजी आदमी, जिनका नाम अजमेर सिंह था, का

अम्बाला में कत्ल हो गया। अगर इस आदमी का नाम भी इस लिस्ट में जोड दिया जाए तो अच्छा रहेगा। इस आदमी ने दे ाकी सेवा की है। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी के सदस्यो की ओर से, जितने नाम दिए गए है उनको श्रद्धांजलि अपति करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवारो को वे इस दु:ख को सहन करने की भाक्ति प्रदान करें।

**श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाला कलां):** अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो विभूतियां पिछले दिनो में हमसे जूदा हो गई,एक पीढी हमारे सम्मानित बुजुर्गो की, राजनीतिज्ञो की और इस सदन के जो लोग सदस्य रहे तथा पिछले दिनो दे ा की एकता के प्रतीक श्री राजीव गांधी, जो अब हमारे बीच में नही रहे, उनकी लिस्ट सदन के सम्मुख रखी है। स्पीकर साहब, श्री राजीव गांधी को भी दे ा को बर्बाद करने वाल साजि ाो का ि ाकार होना पडा। अभी श्री सुरजेवाला अपनी श्रद्धांजलि इन सभी विभूतियां और महानुभावो को देने के लिए खडे हुए थे। अध्यक्ष महोदय, श्री संजय गांधी की अचानक मृत्यू के बाद जब वे राजनीति में आए, तब से लेकर पिछले ग्यारह साल का श्री राजीव गांधी के बारे में मेरा अनुभव है। श्री संजय गांधी की अचानक मृत्यु के बाद जब युवा कांग्रेस के पांच सदस्यो का एक ि ाश्ट मण्डल उनसे मिलने गया था। यह ि ाश्ट मण्डल यह आग्रह करने गया था कि दे ा कि राजनीति में कांग्रेस में सक्रीय होक हिस्सा ले और दे ा की प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जो उनकी मां थी, उनके काम मे

हाथ बंटाएं। उसी दिन से मैने उनको बहुत नजदीकी से देखा। ऐसी कई चीजें याद आती है जो किसी राजनेता के अन्दर मु कल से मिलती है। मै अभी की एक ताजा घटना सुनाता हूं। 14 तारीख को उन्होने कांग्रेस के लिए हरियाणा के अन्दर चुनाव अभियान किया। आज के मुख्य मंत्री श्री भजन लाल और मै उनक साथ थें। फरीदाबाद में रात के दो बजे आखिरी सभा करके हम लौट रहे थे उस वक्त दो बज रहे थे। रास्ते में वह कह रहे थे कि साढे पांच बजे जाना है। आप तीन घंटे आराम कर सकते है और आधे घंटे मे तैयार होकर आप साढे पांच बजे गुजरात जा सकते है। उन्होने कहा कि अढाई बजे कुछ और लोगो को बुला रखा है उसके बाद भी पता नही किस टाइम सो पाउंगा। ऐसे व्यक्ति जो चौबीसो घंटे राश्ट्र की सेवा में लोगो की सेवा में लगे रहे बहुत कम दिखते है। इस तरह से अपनी काबलियत की उन्होने मिसाल दी है। लोग यह प्र न पूछते है कि वे दे ा के कामयाब प्रधान मंत्री बनेगे या नही बनेगे लेकिन कुछ ही महीनो में साबित कर दिया कि उनके मुकाबले का कोई कुटनीतिज्ञ, राजनेता व राजनीतिज्ञ नही है। अध्यक्ष महोदय, 1988 से पहले आपको याद होगा, वि व के अन्दर दो बडी ताकतो रुस व अमेरिका की होड लगी हुई थी। उन दे ाो के पास परमाणु भाक्तियो का भण्डार था जिनकी संख्या लगभग 50 हजार से भी उपर थी। यह कहा जाता था कि अगर कभी वि व युद्ध हुआ तो उन 50 हजार हथियारो के जरुरत नही पडेगी बलिक अगर केवल 300 ऐसे हथियार ही इस्तेमाल हो गये तो इससे सारी दुनिया बर्बाद हो जाएगी। इसका

मतलब यह हुआ कि जो बडी भाक्तियां थी, महा ाक्तियां थी, उनक पास इतनी बडी ताकत थी कि वे इस दुनिया को परमाणू भाक्तियो से 200 बार तबाह कर सकती थी, लेकिन उनके बीच एक बडी ताकत अगर खडी थी तो वह भारत दे ा की भाक्ति थी, जिसने गुट निरपेक्ष दे ाो की आवाज दुनिया में बुलन्द की। जब से राजीव गांधी जी ने गुट निरपेक्ष दे ाो का नेतृत्व संभाला, तब से श्री राजीव गांधी वि व भाांति और विना ा के बीच एक दीवार बनकर खडे रहे। यही कारण था कि 1988 में रीगन वे गोवाचौव के बीच जो संधि हुई थी, वह दुनिया को एक रास्ता दिखाने वाली थी। उस संधि में अगर किसी एक व्यक्ति वि ोश का योगदान था तो मै समझता हूं कि श्री राजीव गांधी जी का था। अध्यक्ष महोदय, जब वे पहली बार अमेरिका के दौरे पर गये थे तो उन्होने अपनी स्पीच के बाद अमेरिका के सांसदो से स्टैंडिंग ओवे ान पाई और जब वि व के सब से बडे पत्रकार सम्मेलन को उन्होने सम्बोधित किया तो उन्होने दुनिया को दिखा दिया कि वे दुनिया में सब से नौजवान, सब से निपुण कूटनितिज्ञ और राजनेता है। ऐसे महान व्यक्ति का हमारे बीच से उठ जाना, हमारे लिए, दे ा के लिए, दे ा की एकता और अखण्डता के लिए बडी भारी चुनौती है। उनके प्रति अगर सच्ची श्रद्धांजलि हम दे सकते है तो यह कि हम धर्म व जाति के जो बैरियर्ज है, उनको पार करके, जो बाधाएं है, उनको दूर करके, हम दे ा को एक रखे। इसके लिए आज विपक्ष को ही नही, हर बुद्धिजीवी को ही नही, हर भारतवासी को सोचना

होगा कि श्री राजीव गांी जी का दे ा को एक रखने का जो प्रयास था, उसको कैसे मजबूती दी जा सकती है।

अध्यक्ष महोदय, सुरजेवाला जी ने ठीक ही कहा कि श्री राजीव गांधी जी की हत्या करना किसी व्यक्ति वि ोश का काम नही हो सकता बल्कि यह एक अन्तराश्ट्ररश ाडयंत्र और राश्ट्रीय साजि ा है।इस केस की इन्कवायारी करवा के क्या हम आज किसी निश्कर्श पर पहुंच सकेंगे, किसी निर्णय पर पहुंच सकेगे यह समय बताएगा लेकिन एक बात जरुर है कि अगर हम इस दे ा को कमजोर रखेगे तो ऐसी भाक्तियो को इस तरह का अव य मौका मिलेगा। अनत में, मै एक बार फिर यही कहूंगा कि अगर हम उनको सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते है तो वह यह है कि हम इस राश्ट्र को मजबूती के साथ एक रखे। यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इन भाब्दो के साथ, मै एकता के प्रतीक, राजीव गांधी जी को अपनी श्रद्धा के फूल अर्पित करता हू। धन्यवाद।

**श्री बंसी लाल (तो ाम):** अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हू। श्री राजीव गांधी के बारे में बहुत कुछ कहा जा चुका है और जिस ढंग से उनकी हत्या हुई, उसे कोई भी व्यक्ति कंडैम किए बगैर नही रह सकता। अगर इतने बडे व्यक्ति, इतने बडे महान नेता का इस तरह से कत्ल हो सकता है तो दे ा में किसी की जिंदगी महफूज नही है। हमें पूरे दे ावासियो को पार्टी लाइन छोड कर ला एंड आर्डर को मैनटेन करने की कोि ा ा

करनी चाहिए। चाहे किसी प्रान्त में किसी भी पार्टी की सरकार हो, इसमें सभी को सहयोग देना चाहिए। श्री राजीव गांधी की हत्या में सी0 वी0 आई0 इन्कवायरी कर रही है कि उसमें किस का हाथ था और क्या था। अखबारो के हिसाब से तो यह पता लगता है कि उस में लिट्टे (एल0 टी0 टी0 ई0) का हाथ था। एल0 टी0 टी0 ई0 कोई हिन्दुस्तान की संस्था भामिल थी या नही, उसकी इनवैस्टीगे ान तो सी0 बी0 आई0 कर रही है। लेकिन जिस ढंग से उभरते हुए सूरज का कत्ल किया गया वह बहुत भार्मनाक और दर्दनाक है। मै परमात्मा से प्रार्थना करता हूं ि कवे दिवंगत की आत्मा को भांति दे और उनके परिवार को उनकी मृत्यु सहन करने की भाक्ति दे।

श्री उमा भांकर दीक्षित भारत के जाने माने स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारत सरकार में मंत्री भी रहे तथा कई ओहदो पर रहे। कई पार्टफोलियो उनके पास रहे। वे कर्नाटक और बंगाल के गर्वनर भी रहे। वे एक पत्रकार भी थे। उनमें सबसे बडी खुबी यह थी कि वे बहुत सच्चे, ईमानदार और निर्भिक व्यक्ति थे। दीक्षित जी आदत के मूताबिक सच्ची बात कहे बगैर नही रहते थे चाहे उनका कोई नजदीक से नजदीक आदमी भी गलत करता था तो वे कहे बगैर नही रहते थे और दूसरी तरफ जायज बात अगर मुखालिफ से मुखालिफ आदमी कता था तो वे उसकी सराहना करते थे। तो उनके बारे में जितना भी कह दिया जाए वह थोडा है। मै उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करता हूं

और परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत की आत्मा को भाांति प्रदान करे।

श्री दिने ा गोस्वामी आसाम के रहने वाले थे। वे लोक सभा और राज्य सभा के मैम्बर रहे। वे केन्द्र में मंत्री भी रहे। एक ऐक्सीडैट में अचानक उनकी मृत्यु होने से दे ा को बहुत नुकसान हुआ है। बडा दुख हुआ कि इतने होनहार व्यक्ति की इस तरह से मृत्यु हो गई। मै इनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री डांगे के बारे में कौन नही जानता। वे हिन्दुस्तान के बहुत महान व्यक्ति थे। उन्होने दे ा की आजादी के लिए कितनी लडाईयां लडी। वे वर्ल्ड वार के विरुद्ध सत्याग्रह करने के लिए गिरफ्तार हुए और जेले काटी। वे सारा जीवन गरीब आदमी के लिए लडाई लडते रहे। वे भी इस संसार से चल बसे है। उनके परिवार के प्रति मै सहानुभूति प्रकट करता हूं और परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भाांति दे।

श्री काहन सिंह बोहरा महेन्द्रगढ जिले के रहने वाले थे और वे पैप्सू में स्पीकर होते थे। मै उन को व्यक्तिगत रुप से जानता था, वे बहुत ही सज्जन और अच्छे आदमी थे। उनके परिवार के प्रति भी मै सहानुभूति प्रकट करता हूं।

श्री बिहारी लाल वाल्मीकि इस सदन के मैंबर रहे है। वे अच्छे कार्यकर्ता थे। उनके परिवार के प्रति भी मै सहानुभूति प्रकट करता हूं।

श्री प्रेम सुख दास पंजाब विधान के भी मैम्बर रहे और पंजाब लैजिस्लेटिव कौंसिल के भी मैम्बर रहे। वह सिरसा नगरपालिका के प्रेजीडैंट भी रहे और हरियाणा विधान सभा के मैम्बर भी रहे। कुछ अर्से के लिए मंत्री भी रहे। मै उनके निधन पर भाोक प्रकट करता हूं।

चौधरी हर कि ान, फरीदाबाद जिले के पलवल इलाके के रहने वाले थे। वे भी पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वे बडे अच्छे सुचारु ढंग से काम करने वाले और नेक आदमी थे। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करता हूं ओर उनके परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करता हूं।

श्री चित्ता माहता पार्लियामैंट के सदस्य रहे। वे एक बहुत अच्छे पार्लियामैंटेरियन थे। उन के निधन पर मै भाोक प्रकट करता हूं और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करता हूं।

श्री पी0 के0 कुंजाचन राज्य सभा के सदस्य रहे और केरल विधान सभा के मैम्बर रहे। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करता हूं और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करता हूं। इन भाब्दो के साथ सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मै उसका समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

**श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु):** स्पीकर साहब, सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै उसका समर्थन करती हूं। जिस ढंग से श्री राजीव गांधी की मौत हुई वह एक बहुत ही अफसोसजनक बात थी। वैसे किसी भी राजनीतिज्ञ का कत्ल होना बहुत बुरी बात है। यदि किसी राजनीतिज्ञ का कत्ल होता है तो उससे बडा दुर्भाग्य दे ा के लिए दूसरा कोई नही हो सकता। मै श्री राजीव गांधी की मौत पर भाोक प्रकट करती हूं और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करती हूं। मै और मेरी पार्टी के सदस्य उनकी दु:खद मौत का बहुत ही दुख महसूस करते है। उनका चुनावो के वक्त कत्ल होना दे ा के लिए बहुत ही नुक्सानदायक था।

श्री उमा भांकर दीक्षित एक पुराने दे ाभक्त थे। वे सही बात को सही कहने में हमे ाा तैयार रहते थे, उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करती हू और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करती हूं।

श्री दिने ा गोस्वामी को मै व्यक्तिगत तौर पर जानती थी। वे एक बहुत अच्छे व्यक्ति थे और दे ा के आगे आने वाले नेताओ में से एक थे। उनका 2 जून को अचानक निधन हो गया। दे ा के लिए और खास करके असम प्रान्त के लिए इससे ज्यादा दुखदायी बात कोई दूसरी नही हो सकती। मै उनके निधन पर भाोक प्रकट करती हू।

इसी प्रकार से श्री श्रीपाद अमृत डांगे एक वयोवृद्ध कम्यूनिस्ट नेता थे। उन्होने दे ा के लिए बहुत अच्छे काम किए। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करती हू और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करती हू।

श्री काहन सिंह बोहरा मेरे जिले महेन्द्रगढ के रहने वाले थे। वे बहुत ही सुलझे हुए ओर बहुत अच्छे व्यक्ति थे। मै उनके निधन पर भाोक प्रकट करती हूं। परमात्मा उनके परिवार को यह दु:ख सहन करने का साहस दे। मै उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करती हूं।

श्री बिहारी लाल वाल्मीकि हमारे साथ सदस्य रहे। वे बडे अच्छे कार्यकर्ता थे। मै उनके निधन पर भाोक प्रकट करती हू। श्री प्रेम सुख दास संयुक्त पंजाब में भी मेरे साथ एम0 एल0 ए0 रहे और हरियाणा में भी मेरे साथ एम0 एल0 ए0 रहे। वे एक बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे, मै उनके निधन पर भाोक प्रकट करती हू और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करती हूं।

चौधरी हर कि ान भी हमारे साथी थे। मेरे साथ एम0 एल0 ए0 रहे। वे एक अच्छे आदमी थे। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करती हूं और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करती हू।

श्री चित्ता माहता संसद सदस्य थे। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करती हूं और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति

प्रकट करती हूं। श्री पी0 के0 कुंजाचन राज्य सभा के सदस्य रहे। वे किसानो के लिए काम करते रहते थे। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करती हूं और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करती हूं। इन भाब्दो के साथ मै एक बार फिर, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, उसका समर्थन करती हू। जय हिन्द।

**श्री राम बिलास भार्मा(महेन्द्रगढ):** अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान से लेकर अब तक दे ा के कुछ राजनीतिक नेता और कार्यकर्ता इस संसार से चले गए है। सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा मै उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। इन भाोक प्रस्तावो में सबसे पहले श्री राजीव गांधी का नाम है। वे अन्तर्राश्ट्रीय राजनीतिक जगत के एक उदीयमान व्यक्ति थे। राजनीति में विचारो के साथ मतभेद हो सकते है परन्तु श्री राजीव गांधी जी की महानता पर कोई मतभेद नही हो सकता। मेरी पार्टी के उनसे राजनीतिक धरातल पर मतभेद रहे होंगे लेकिन उनकी महानता पर कभी कोई मतभेद नही हो सकता। राजीव गांधी की मृत्यु ने हिन्दुस्तान की सुरक्षा व्यवस्था को हिला करके रख दिया है। वैसे उस समय के प्रधान मंत्री ने यह बात कही थी कि उनकी सुरक्षा में कुछ ढील रही है। उन्होने इस बात को स्वीकारा भी है। इस दे ा की आजादी के बाद कुछ राजनीतिक हत्याएं हुई है। श्री राजीव गांधी की कोई सामान्य मौत हुई होती तो एक अलग बात होती लेकिन यह केवल राजीव गांधी की ही हत्या नही हुई बल्कि यह हिन्दुस्तान की सुरक्षा व्यवस्था की हत्या हुई है। कुछ ताकतो

ने उनके विचारो के साथ सहमत न होते हुए उनकी हत्या की है। ऐसा करने वालो ने अपनी आत्मा को गिरवी रख कर यह साजि ा रची है। यह एक अन्तराश्ट्रीय राज है। हिन्दुस्तान की आजादी के बाद बहुत से राजनीतिक नेताओ की हत्याए हुई है। यह अलग बात है कि ठीक ढंग से संसद में उनका जिक्र न आ पाया हो। हिनदुस्तान की आजादी के प चात् 1953 में भयामा प्रसाद मुखर्जी की जम्मू में हत्या हुई। इसी प्रकार से 1968 में पं0 दीनदयाल उपाध्याय की हत्या हुई। फिर श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या हुई और उसके बाद एक बडी हत्या श्री राजीव गांधी की हुई। यह एक प्र न चिन्हृ लगाती है हिन्दुस्तान के रखवालो के उपर जिनके ऊपर सुरक्षा की जिम्मेवारी होती है। ऐसे प्रतिभा ाली व्यक्ति की रक्षा न कर पाना भी अपने आप में एक प्र न चिन्ह् है। स्पीकर साहब, अगर कोई फल पक कर गिरता है तो उसका अलग मजा आता है और अगर वह कच्चा गिरता है तो उसका दुख होता है। स्पीकर साहब,

फूल तो बहारे जा फिजा दिखला गए,

हसरत तो उन गुमचो पे है जो बिल खिले मुरझा गए।

स्पीकर साहब, इतनी छोटी उम्र में वे हमारे बीच से चले गए उसका दुख होना स्वाभाविक है। भाई वीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक कहा है कि जिस समय वे दे ा के प्रधान मंत्री बने तो हमारे दे ा के दु मनो को भाक हुआ था, उनको आ चर्य हुआ था

और साथ ही साथ यह आ ांका जाहिर की गई थी कि इतनी छोटी उम्र मे जो बिना संघर्श के प्रधान मंत्री बना है, क्या वह इस दे ा को सम्भालने मे कामयाब होगा? लेकिन उन्होने अपनी पार्टी को भी और प्रधान मंत्री पद को भी बडी सफलता के साथ सम्भाला। उनकी मृत्यु से दे ा को एक राजनीतिक व्यक्ति की कमी महसूस हुई है। चोधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी ने यह ठीक कहा है कि लोगो को उनसे बहुत लगावा था लेकिन यह भी ठीक है कि जो परिवार का मुखिया होता है उसका जिनसे जितना गहरा संबंध होता है उनको विरह वेदना उतनी ज्यादा होती है। हम भी इस राश्ट्रीय पीडा में उनके साथ भाामिल है और राजीव गांधी के परिवार को जो पीडा हुई है उस पीडा में हमारी भी उनके साथ पूरी हमदर्दी है। मै उम्मीद करता हूं कि उनकी जो हत्या हुई है और आज की सरकार से हमें उम्मीद है कि उन चेहरो को दुनिया के सामने पे ा करेगी। स्पीकर साहब, हमारे दे ा में राजनीतिक मतभेदो के होने से राजनेताओ को उठाने का जो सिलसिला चला है वह आने वाले समय की राजनीति के लिए क्या होगा, कुछ नही कहा जा सकता।

अध्यक्ष महोदय, उमा भांकर दीक्षित ने स्वतंत्रता की लडाई लडी और अनेको बार जेल गए। चौधरी बंसी लाल जी ने ठीक कहा है कि आज दे ा की राजनीति में मुह देख कर बात करने वालो का बोलबाला बढता जा रहा है। पण्डित उमा भांकर दीक्षित जी हमे ाा सही को सही और गलत बात को गलत कहते

थे फिर चाहे किसीका चेहरा बिगडे यह किसी के मुहं का जायका खराब हो, वे इस बात की परवाह नही करते थे। उनका भी स्वर्गवास हो गया।

दिने ा गोस्वामी जी पिछली केन्द्रीय सरकार में मंत्री रहे। हिन्दुस्तान के पूर्वी हिस्से में आतंकवाद की जो आग सुलग रही है वे उसे बुझाना चाहते थे और गुवाहाटी और दिल्ली के बीच में राश्ट्रीय एकता बनाए रखने में उनका सबसे अधिक योगदान रहा, यह एक विडम्बना ही है कि एक ऐक्सीडैं में अकस्मात् उनका निधन हो गया।

श्री श्रीपाद अमुत डांगे साम्यवादी पर्टी के नेता थे। हिन्दुस्तान में साम्यवाद का बीज उन्ही ने डाला। अध्यक्ष महोदय, आज सभी जानते है कि आज राजनीति एक फसली बीज हो गई है ओर मौसम के हिसाब से लोग आजकल राजनीति में कपडे बदलते है। परन्तु श्री श्रीपाद अमुत डांगे अपनी विचारधारा पर कन्विक्डिट थे, विचारधारा को समर्पित थे। स्वतंत्रता की लडाई से लेकर अनत तक जिस विचारधारा को वे मानते थे उसी के उपर डटे रहे। हमारा यह सौभाग्य है कि अपनी विचारधारा के लिए हमें जेल में जाने पडा। मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि अपनी विचारधारा के लिए जेन में जाने में कितना आनन्द है। आपात् स्थिती के दौरान मुझे भी 19 महीने जेल में रहना पडा था। इसलिए विचारधारा के लिए समर्पित हो कर रहने का मुझे निजी अनुभव रहा है। स्पीकर साहब, आज तो जेल जाने के नाम से लोग डरते

है। जेल का नाम सुनते ही चाहे पार्टी बदलवा लो चाहे कुछ बदलवा लो। श्री श्रीपाद अमृत डांगे एक महान् व्यक्ति थे। उनके परिवार के साथ हमारी पूरी हमदर्दी है।

श्री काहन सिंह बोहरा, महेन्द्रगढ चुनाव क्षेत्र में दूलो ठहीर गांव के रहने वाले थे। मेरा उनसे व्यक्तिगत सम्बन्ध रहा है। उनके निधन से कुछ देर पहले भी मै उनके पास था। अध्यक्ष महोदय, राजनीति में एक बार अवसर मिल जाने पर लोग गांव की जिंदगी छोड देते है। काहन सिंह जी बोहरा पैप्सू विधान सभा के पहले अध्यक्ष थे जो कि हम महेन्द्रगढ जिले के लोगो के लिए बडे गर्व की बात है। उसके बाद गांव के गरीब लोगो के कल्याण के लिए उन्होने जीवन भर काम किया और उनका अंतिम संस्कार भी दूलो ठहीर गांव में ही हुआ। अब तो लोग राजनीति में आ कर गांव को भूल जाते है, गांव का समस्याओ को भूल जाते है। श्री काहन सिंह बोहरा मेरे अपने हल्के के गांव दूलो ठहीर के एक किसान परिवार से सम्बन्ध रखते थे। उनके भाोक संतप्त परिवार के लोगो से हमारी सहानुभूति है और भगवान से यह प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को भाांति प्रदान करें।

इस सदन के माननीय सदस्य रहे श्री बिहारी लाल वाल्मीकि और श्री प्रेम सुखदास तथा चौधरी हर कि ान जी, श्री चित्ता माहता जी, पी0 के0 कुंजाचन तथा सदन के नेता ने जिन अन्य और नामो का उल्लेख किया है उनके भाोक संतप्त परिवारो के साथ भी मै अपनी सहानुभूति का इजहार करता हूं और

परमपिता परमे वर से प्रार्थना करता हूं कि वे इन बिछडी हुई आत्माओ को भाांति प्रदान करे। धन्यवाद।

**श्री निर्मल सिंह (नग्गल):** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है मै भी इस में भारीक होने के लिए तथा इस भाोक प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। श्री उमा भांकर दीक्षित और श्री डांगे जैसी हस्तियों, जिन्होने कई रुपो में बहुत समय तक दे ा की सेवा की और जिन्हे आने वाली पीढियां उनकी सेवाओ के लिए याद रखेगी, का निधन हो गया है। मेरे कई साथियो ने इनका चर्चा किया और मै भी उनकी श्रद्धांजलि में भाामिल होता हूं। अध्यक्ष महोदय, वि ोशकर मै श्री राजीव गांधी की मौत का जिक्र करुंगा। यह एक ऐसी मोत थी जिसकी चर्चा पूरे दे ा में ही नही बल्कि पूरी दुनिया में हुई है तथा इस मौत को प्रजातंत्र पर आघात बताया गया है। उनकी मौत से सारे दे ा को ही नही बल्कि दुनिया को भी आघात लगा है। मेरे से पहले बोलने वाले स्पीकर्ज़ ने उनके बारे में बडी अच्छी बाते की। श्री राजीव गांधी जी के साथ मुझे वर्शो काम करने का अवसर मिला। स्पीकर साहब, श्री राजीव गांधी के परिवार को आप बखुबी जानते है। पण्डित जवाहर लाल नेहरु जो कि बहुत ही उंचे और अमीर घराने में पैदा हुए थे, ऐ वर्य को त्याग कर 7 साल कुछ महीने जेल में रहे उन्होने अंग्रेजो से लडाई लडी, दे ा को आजाद कराया और उसके प चात् इस दे ा की प्रधान मंत्री के रुप मे सेवा की। उनके बाद उनकी बेटी

श्रीमती इंदिरा गांधी इस देश की प्रधान मंत्री बनी और उन्होने इस दे  ा की जनता की सेवा की। उन्होने प्रधान मंत्री बनने के बाद बैंको का राश्ट्रीयकरण किया, गरीबी हटाओ का नारा देकर लोगो की गरीबी दूर की तथा इस दे  ा के गरीब लोगो की भलाई के अनेक काम किये। उन्होने इस दे  ा के लिए ऐसे कार्यकम तैयार किये जिनसे जनता की अधिक से अधिक भलाई हो सके। आज दे  ा की अस्सी पिचयासी करोड जनता श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा बनाए गए जनता की भलाई के प्राग्रामो से बहुत ऊंची उठ पाई है। यह दे  ा ही नही बल्कि सारी दुनिया श्रीमती इंदिरा गांधी का लोहा मानती है। श्रीमती इंदिरा गांधी दुनिया के बडे लीडरो में से एक थी और उनहोने भारत को इज्जत के ि  ाखर तक पहुंचाया। वे अपने समय की बहुत बडी लीडर थी। उनके समय में ही उनके छोटे पुत्र श्री संजय गांधी की आकिस्मक मृत्यु हो गयी। इससे उनको बडा सदमा लगा। श्री संजय गांधी ने पांच सुत्री प्रोग्राम चलाया और इस प्रोग्राम से दे  ा की जनता का बहुत भला हुआ। श्री संजय गांधी ने ही प्लांटे  ान का प्रोग्राम भाुरु किया था। इसके प  चात् श्रीमती इंदिरा गांधी की अकस्मात मृत्यु हो गई। श्रीमती इंदिरा गांधी ने जो भी प्रोग्राम चलाए, वे बहुत ही सराहनीय थे। इनके प  चात् श्री राजीव गांधी जो सियासत में नए थे, वे आए। उनकी रुचि सियासत में नही थी लेकिन दे  ा की सेवा करने का बोझ श्रीमती इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद उनके कंधो पर आ पडा और पूरे पांच साल तक उन्होने इस दे  ा की बखुबी सेवा की। कुछ लोगो ने इस दे  ा को धर्म के नाम पर

और जाति के नाम पर बांटने की कोि ा ा की लेकिन श्री राजीव गांधी ने इस सम्बन्ध में दे ा के लोगो को आगाह किया और दे ा को टूटने से बचाया। उन्होने दे ा की युवा पीढी को प्रेरणा दी और दे ा के युवको को आगे आने के लिए प्रात्साहित किया। उनकी प्रेरणा से बहुत से गरीब युवको को सियासत में आने का मौका मिला। आज इस सदन में उन्ही की प्रेरणा का फल है कि बहुत से युवा विधायक यहां बैठे है जिनके कंधो पर दे ा की तथा प्रदे ा की समस्याओ को हल करने की जिम्मेदारी है। स्पीकर साहब, जिन युवको को दे ा की प्रोपर्टी जलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, राजीव गांधी ने उनके कंधो पर दे ा की भलाई की जिम्मेदारी डाली। आज उनकी बदौलत वे नौजवान दे ा की समस्याओ को हल करने में लगे हुए है। जब वे इस दे ा के प्रधान मंत्री बने तो श्री राजीव गांधी ने आसाम के युवा छात्रो से बात की, उनकी समस्याओ का समाधान किया और उनके हाथ में आसाम की बागडोर सम्भाली। स्पीकर साहब, जो सरकार आई उसका अपोजी ान के लीडर श्री सम्पत सिंह जी को कुछ दुःख है उनका लहजा तकलीफदेह था। पता नही क्यों? हो सकता है कोई परे ाानी होगी? वे कहते है कि उन पर कर्जे माफी के विरुद्ध नारा लगाने का इल्जाम लगा, बोफोर्ज का इल्जाम लगा.....

**Mr. SpeakerL** Nirmal Singh ji, Please do not go out of the point and be relevant.

**श्री निर्मल सिंहः** स्पीकर साहब, जब ये बोल रहे थे तो हमने कुछ नह कहा। अब हमें भी बोल लेने दो। स्पीकर साहब, श्री राजीव गांधी ने इस दे ा के बारे में बहुत स्वप्न संजोए थे, उन्होने इस दे ा के लिए बहुत अच्छे प्रोग्राम बनाए थे। इस दे ा को कम्पयुटर की देन उन्ही की है। उन्होने किसानो की भलाई के लिए नई नई स्कीमज़ बनाई। दे ा के लिए कंस्ट्रक्टिव स्कीमें तैयार की। आसाम की समस्या को आसाम गण परिशद से बात करके हल किया और उनके हाथ में सत्ता सौंपी। स्पीकर साहब, श्री राजीव गांधी की मौत ने दे ा को हिला दिया है। इसके पीछे बहुत बडा ाडयंत्र है। दे ा के दु मनो ने राजीव गांधी को मार दिया क्योंकि उनको डर था कि वे फिर सत्ता में आएंगे। स्पीकर साहब, अपोजी ान मे रहते हुए भी जब भी वे कोई बात कहते थे तो उनकी बात में दम था। अमेरिका जैसे भाक्ति ाली दे ा की नीति पर भी श्री राजीव गांधी जी द्वारा कही गई बात का असर पडता था। इस दे ा का दुर्भाग्य है कि हमने एक बहुत ही योग्य नेता खो दिया। श्री सम्पत सिंह जी ने बताया है कि उनका कोई कार्यकर्ता जिसका नाम अजमेर सिंह था उनका नाम भी इस लिस्ट में जोड दिया जाए। स्पीकर साहब, अगर सभी की राय हो तो जरुर जोड दिया जाये लेकिन वे कौन थे? यू ंतो लोग मरते ही है जैसाकि सम्पत सिंह जी ने कहा है कि मरना तो सब ने ही है। देखना तो यह है कि मौत किसको कैसे मिलती है। मरने वाले की मौत के बाद लोग क्या कहते है? मौत तो आएगी ही, इसके बाद लोग क्या कहते है। अजमेर सिंह जी मरे है लेकिन देखना यह है

कि उनका पास्ट कैसा था। उनका पास्ट भाायद एक किमीनल का था। वे पंजाब से आकर हरियाणा में बसे थे और यहां पर उनके ऊपर कई मुकदमें चल रहे है। पहले वे बी0 जे0 पी मे थे, उसके बाद ग्रीन ब्रिगेड मे रहे और फिर जब चौधरी बंसी लाल जी मेरे गांव में आए तो वहां के वे हैड थे। विकास मंच में भी वे रहे। ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री सम्पत सिंहः** स्पीकर साहब, उनका क्या पास्ट था इन बातो से इनका क्या मतलब है? ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री निर्मल सिंहः** क्यों नही? इसलिए पास्ट का सबंध है कि आप उनका नाम इस लिस्ट में ऐड करवाना चाहते हो। ( ाोर एवं व्यवधान) श्रद्धांजलि के लिए आप उनका नाम जोडने के लिए कह रहे हो।

**Mr. Speaker:** No need to refer to this. Please be relevant.

**श्री निर्मल सिंहः** स्पीकर सर, आप मुझे बोलने तो दें। इनको कहे की आप कम से कम हमारी बात तो सुने। ( ाोर एवं व्यवधान) इस तरह सेतो और भी कई नाम आएंगे। अमीर सिंह का नाम आएगा और महम मे मरने वालो के नाम भी आएंगे। ( ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, यूं ही एक झगडे को पोलिटिकल रंग दिया जा रहा है। मुजरिम जो है वे जेल में बैठे है और जो एफ0 आई0 आर दर्ज है उसमं कई भारीफ और गलत आदमियो के नाम दर्ज है। इन सभी बातो की जांच अव  य होनी चाहिए।

**Mr. Speaker:** Mr. Nirmal Singh, you have aready referred to this point. Now please leave this topic and come to the main point.

**श्री निर्मल सिंहः** स्पीकर सर, अभी थोडी देर पहले आपने देखा होगी कि गवर्नर साहब के अभिभाशण के समय इन लोगो का क्या रवैया था ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्षः** निर्मल सिंह जी, आप आगे बोलें।

**श्री सम्पत सिंहः** स्पीकर साहब, ये तो ऐसे बात कर रहे है जैसे कि गवर्नर ऐड्रेस पर बहस हो रही हो। इनका भाोक प्रस्ताव के समय इस तरह से बोलना भाोक प्रस्ताव की तोहीन है। इस तरह की बातें इनको यहां पर कहना भाोभा नही देता। ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री निर्मल सिंहः** स्पीकर साहब, इनको इसलिए तकलीफ हो रही है कि फेयर इलैक ान क्यों हुए है और कोई बात नही है। जी ( ाोर)

**श्री सम्पत सिंहः** स्पीकर साहब, इस तरह की बातें तो ये गवर्नर ऐड्रेस पर होने वाली डिस्क ान के दौरान कर सकते है। ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्षः** निर्मल सिंह जी आप बैठिए। धीरपाल जी आप बोले लेकिन कुप्या भाोक प्रस्ताव पर ही बोले।

**श्री निर्मल सिंहः** स्पीकर साहब, मुझे अपनी बात तो पूरी कर लेने दीजिए। अगर इनकी बात मानते है तो फिर गुरनाम सिंह हरिजन को भी भाोक प्रस्ताव की लिस्ट मे जोडना चाहिए था। इसी तरह से बैनीवाल के रामचन्द्र व अमीर सिंह का नाम तथा मेहम के अन्दर जो लोग मरे है उनका नाम भी इस लिस्ट में आना चाहिए था।

**Mr. Speaker:** it has already been aluded to. You please take your seat.

**श्री निर्मल सिंहः** स्पीकर साहब, अजमेर सिंह को इन्होने मारा था। एक तरफ से काट काट कर जिंदा के टुकडे किए थे। उसके बारे में एफ0 आई0 आर0 तक दर्ज नही हुई और न ही मुजरिम गिरफ्तार हुए। ( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** निर्मल सिंह जी यह रैलेवैंट नही है। अब आप बैठिये और धीरपाल जी आप बोले।

**श्री निर्मल सिंहः** स्पीकर साहब, अगर आपका यही आदे ा है तो मै बैठ जाता हूं।

**श्री धीरपाल सिंह (बादली):** अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव इस सदन में रखा है, मै उसके पक्ष में बोलने के लिये खडा हुआ हूं। पिछले हाउस की मीटिंग से लेकर अब तक प्रदे ा और दे ा स्तर के कई राश्ट्रीय नेता, समाज सेवी, समाज सुधारक हम से विदा हो गये है। आज दे ा और प्रदे ा

उनकी सेवाओ से वंचित हो गया है। और हम सब उनके अच्छे कामो के लिए उन्हे याद कर रहे है। समाज के निर्माण में उन्होने जो सहयोग दिया उसी वजह से हम उनको याद कर रहे है। भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी के बारे मे यहां चर्चा हुई। मै भी खुले मन से एक बात कहूंगा कि राजनीति में इस तरह की प्रथाएं अगर भविश्य में आती रही तो यह राजनीति के उपर एक प्र न चिन्हृ लगने की बात है। कोई अगर किसी पार्टी का कार्यकर्ता या नेता है तो हमें उसकी नियत देखनी चाहिए कि उसने दे ा भक्ति की भावना से काम लिया है, दे ा की एकता और अखण्डता के लिए काम किया है और दे ा के निर्माण के लिए काम किया है। चाहे वह किसी भी बिरादरी या पार्टी का हो लेकिन पार्टी पोलिटिक्स के नाते उनको समझने के लिए जो प्रथाएं डाली जाती है उससे राजनीति दूशित हो जाती है। स्पीकर साहब, जिस ढंग से श्री राजीव गांधी का हत्या हुई मै उसको कंडैम करता हूं। दे ा का हर नागरिक इस बात से चिंतित है कि भविश्य में भी अगर इसी तरह से होता रहा तो दे ा की एकता के लिए कौन आगे आएगा। आज हिन्दुस्तान के सभी नागरिको का यह कर्तव्य बनता है कि वे ऐसी ताकतो को नंगा करे, चाहे वे सरकार में है या विपक्ष में है। अगर कही इस तरह का आभास हो तो हमारा भी फर्ज बनता है कि हम सत्ता पक्ष को सहयोग दे और हम देते भी रहे है। उस महान व्यक्ति का जिस ढंग से कत्ल हुआ मै उसकी निन्दा करता हूं। उस होनहार व्यक्ति का दे ा के विकास में बहुत योगदान रहा है। आज सारा दे ा इस बात से भी

दुखी है कि जो नौजवान नेता दे ा की एकता के लिए काम करता है अगर उसको इस ढंगसे रास्ते से हटाया जाएगा तो दे ा का युवक ओर बुद्धिजीवी अपने आप को सुरक्षित नही समझेगा।

डांगे जी ने अपना सारा जीवन दे ा की आजादी के लिए, समाज को बनाने के लिए,समाज को सुधारने के लिए और समाज में डाली हुई कुरीतियो को दूर करने के लिए न्यौछावर किया।

श्री दीक्षित जी के बारे में चौधरी बंसी लाल तथा अन्य साथियो ने कहा, वाकई स्पीकर साहब, आज इस तरह के लोगो की आ यकता है जो सच्ची बात मुंहं पर कहने की हिम्मत रखते हो। ऐसे ही आदमी दे ा की एकता के लिए, अखंडता के लिए और दे ा के निर्माण के लिए काम कर सकते है। उन्होने अपने सारे जीवन में दे ा की एकता के लिए काम किया।

अध्यक्ष महोदय, हमारे इस हाउस के कुछ सम्मानित साथी और संयुक्त पंजाब के कुछ साथी भी हमसे जुदा हो गए है उन्होने अपने विधायक होने के समय में जो काम किए वे सारे रिकार्ड में है। उन्होने गांवो के लिए, प्रदे ा के लिए और समाज के लिए वाकई में बहुत अच्छे काम किए। मै अपनी तरफ से उनके निधन पर भाोक प्रकट करता हू ओर उनके परिवारो के प्रति सहानुभूति प्रकट करता हूं। भगवान उनके परिवारो को यह दुख सहन करने की हिम्मत दे और उनके निधन से उनके परिवारो की

जो कमियां महसूस हो रही है उन कमियो को पूरा करने की ताकत दे। इन भाब्दो के साथ मै इस भाोक प्रस्ताव का समर्थन करता हू। धन्यवाद।

**श्री हरपाल सिंह (टोहाना):** स्पीकर साहब, सदन के नेता ने सदन में जो भाोक प्रस्ताव रखा है मै उसका समर्थन करता हू। वैसे तो स्पीकर साहब, संसार में भगवान का जो सिस्टम है उसके अनुसार सभी को जाना है। संसार मे जो पैदा हुआ है उसको एक दिन इस संसार को अव य छोडना है लेकिन हर सै ान में एक बहुत लम्बी लिस्ट हमारे सामने आ जाती है। उस लिस्ट में हमारे दे ा की आजादी की लडाई लडने वाले सिपाही जिन्होने दे ा की आजादी के लिए लडाईयां लडी और दे ा को आजाद कराया वह आहिस्ता–आहिस्ता इस दे ा से विदा हो रहे हैं। हमे इस बात का बहुत दुख है और दुख होना भी चाहिए। लेकिन भगवान का सिस्टम ही ऐसा है कि जो आदमी इस संसार में आया है उसने एक दिन इस संसार से जाना भी जरुर है। लेकिन अगर एक मौत ऐसी हो, ऐसे समय मे हो, ऐसी उम्र में हो और ऐसी पोजी ान में हो जिससे सारा संसार हिल जाए, और सारे संसार को दुःख हो वह बडी कश्टदायक होती है। वह मौत है श्री राजीव गांधी जी की। स्पीकर साहब, मुझे उनके साथ काम करने का कई साल तक मौका मिला था। उनको मैने बहुत ही नजदीक से देखा है। यह कोई बडाई की बात नही है। जिन दूसरे साथियो ने उनके साथ काम किया है वे भी इस बात से इतफाक करेंगे कि वे बहुत ही

बढिया इन्सान थे। मै तो यह कह सकता हूं कि वे एक बढिया इन्सान ही नही बल्कि एक देवता थे।वे बहुत ही खु ा मिजाज और हर वक्त मुस्कुराने वाले इन्सान थे। वे हर आदमी और हर पार्टी के साथ मिल कर चलने वाले इन्सान थे। उनको एक ही लगन थी कि इस दे ा को संसार में महानता तक पहुंचा दे और यह भी सच है कि इस संसार मे वे एक सूरज की तरह आसमान में उभरे। चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला ने जिक्र किया कि उस नेता की छाप सारे संसार पर पड रही थी। जब वे प्रधान मंत्री थे तब भी सारे संसार में जहां पर भी कोई झगडा हुआ उसे निपटाने के लिए उनकी राय ली जाती थी और जब वे प्रधान मंत्री नही थे तब भी सारा संसार उनकी तरफ देखता था। वैस्ट एि ाया में झगडा हुआ तो उस समय उस झगडे को निपटाने के लिए यहां से कोई नही गया लेकिन वहां के लोग राजीव गांधी के इंतजार मे थे और यह चाहते थे कि किसी तरीके से राजीव गांधी हमारे यहां आए ताकि यह झगडा निपट सके। मै आपके सामने एक छोटी सी मिसाल देता हूं कि उस भाांति के सूरज ने सारे संसार में भाांति फैलाने की पूरी पूरी कोि ा ा की। उन्होने संसार का दौरा भी किया। वह एि ाया गए, अमेरिका गए। उनके दिल में यह लगन थी कि भारत एक ऐसा मजबूत भारत बने, इतना भाक्ति ाली बने और इसकी महानता इतनी उंची हो जिससे सारे संसार में इसका नाम चले। यह जो कांसपीरेसी चली है इस बारे में इन्कवायरी कमी ान बताएगा कि यह कैसे हुआ लेकिन मै इतना कहा सकता हूं कि इसमें बहुत लम्बी चौडी बात निकलेगी। इस संसार के बडे

बडे दे ाो के नेता इस बात से घबरा रहे थे कि राजीव गांधी की जो भाख्सियत है वह आज सारे संसार पर अपनी छाप छोड रही है। मै कह सकता हूं कि यह जो कत्ल हुआ है यह हिन्दुस्तान की एकता और अखण्डता का कत्ल हुआ है, यह हिन्दुस्तान की तहजीब का कत्ल हुआ है और सभ्यता का कत्ल हुआ है। इस हत्या ने सारे संसार को हिला करके रखा है। उनकी हत्या से जो हानि हिन्दुस्तान की हुई है वह कभी भी पूरी नही हो सकती। अन्त में मै अपना स्थान लेते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भाांति दे और उस परिवार को इस दुख को सहन करने की भाक्ति दे।

**श्री आनंद सिंह डांगी (मेहम):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता श्री भजन लाल जी ने इस सदन में जो भाोक प्रस्ताव रखा है उसके अनुसार हमारी बहुत सी महान विभूतियां हमारे समाज की सेवा करते हमसे बिछुड गई है। इसलिए उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सदन में यह प्रस्ताव रखा गया है। इन महान हस्तियो में एक ऐसा व्यक्तित्व था जिनसे मेरा सम्पर्क पिछले कुछ महीनो से ही हुआ था। वैसे तो उनके जीवन की गहराईयो के बारे में मेरे से पहले बोलने वाले सभी नेतागण ने बडे विस्तारपूर्वक बताया है लेकिन मेरा जो उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ वह एक ऐसी घटना मे हुआ जो हिन्दुस्तान और सारी दुनिया में चर्चा का विशय बनी हुई थी। पिछले साल फरवरी के महीने में हम क्षेत्र का उप चुनाव हुआ और उस चुनाव

में जिस ढंग से प्रजातंत्र के साथ खिलवाड हुआ और जिस ढंग से वोट के अधिकार पर डाका डालने की कोि ा ा की गई वह सबके सामने है। (विघ्न)

**आवाजेः** आप इस समय ऐसी बातें नही कर सकते।

**श्री आनन्द सिंह डांगीः** इसका एक सीधा सा मतलब यह भी निकलता है कि आप बिना पूरी इन्कवायररी हुए ही अपने आप को दोशी मानते हो। ( ाोर एवं विघ्न)

**श्री सम्पत सिंहः** स्पीकर साहब, इनको भााोक प्रस्ताव के मौके पर ऐसी बात नही करती चाहिए।

**Mr. Speaker:** Dangi Sahib, you need not refer to Meham incident on this occasion. You will get opportunity to speak on the Governor's Address. You may now please refer to only Shri Rajiv Gandhi (Interruptions.)

**श्री आनन्द सिंह डांगीः** स्पीकर साहब, ये सारी बाते जो मै कहना चाहता हू वे राजीव गांधी की हत्या से जुडी हुई है। अगर हमस दन में ये बाते नही कहेगे तो फिर कहां कहेंगे। (विघ्न) स्पीकर साहब, जो कुछ चुनाव के दौरान हुआ वह बहुत ही दर्दनाक घटना थी। मेहम मे जो अत्याचार और जुल्म हुए थे उसी की वजह से इलैक ान कमी ान ने मेहम का वह इलैक ान काउंटरमैन्ड किया और फिर मई में इलैक ान हुआ।

**Mr. Speaker:** Dangi Sahib, you please refer to only Shri Rajiv Gandhi. You need not refer to that incident now. Its

details can be referred to at the time of discussion of Governor's Address. (Interruptions.)

**श्री आनन्द सिंह डांगी:** श्री राजीव गांधी का जिक भी यहां पर आएगा। (विघ्न) मेहम का बाई–इलैक ान दोबारा हुआ। उस में एक निर्दलिय उम्मीदवार का कत्ल हो गया। (विघ्न) हमारे भाई अमीर सिंह को मार दिया गया। (विघ्न)

**Mr. Speaker:**You please now refer to Shri Rajiv Gandhi only. You can refer to other details during discussion on the Governor's Address.

**श्री आनन्द सिंह डांगी:** उसके बाद मदीना गांव मे ंजिस ढंग से पुलिस और प्र ाासन ने बर्बरतापूर्वक हम लोगो पर गोलियां चलाई वह बात किसी से छुपी नही है। (विघ्न)

**Mr. Speaker:** Please speak on Shri Rajiv Gandhi only.

You are again referring to the same point, which in not relevant.

**श्री सम्पत सिंह:** स्पीकर साहब, ये आपकी बात भी नही मान रहे है। लीडर आफ दि हाउस को चाहिए कि वे इन्हे समझायें। (विघ्न) Speaker Sir, these people are not serious even on this occasion.

**श्री आनंद सिंह डांगी:** आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय ने राजीव गांधी जी को इन सब बातो से अवगत करवाया। श्री राजीव

गांधी मदीना गांव गए और जहां पर भी हल्के में जुल्म हुआ था उन्होने वहां पर दौरा किया। सभी जगह की घटनाओ को देखते हुए उन्होने इस बारे में पार्लियामैंटमें इल्जाम लगाए और कहा कि जो जुल्म हुए है जब तक उनकी सी0 बी.0 आई0 से या किसी जज से जांच नही करवाई जाएगी तब तक सदन की कार्यवाही को नही चलने देंगे। वे एक महान व्यक्ति थे। प्रजातंत्र की रक्षा के लिए उन्होने जो कदम उठाए और हमारी रक्षा के लिए जो जुल्म इन लोगो ने प्रजातंत्र पर ढाएए जुल्मोसित्म का नंगा नाच किया उसके बाद में उन्होने आवाज उठाई। कमी ान की इन्कवायरी और सी0 बी0 आई0 की इन्कवायरी बैठाई गई लेकिन पिछली सरकार ने उस कमी ान को कोई मदद नही दी जिसके कारण सारी बात धरी–धराई रह गई। (विघ्न) स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि स्वर्गीय श्री राजीव गांधी ने उन मुद्दो पर जांच करने के लिए हरियाणा सरकार को एक बार फिर कहा और सरकार को लिखा कि उन केसो की जांच करवाएं। जिन बातो को स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने उठाया था आज उनकी सही इन्कवायरी की जाए और जुल्म करने वालो को नंगा किया जाए, यही श्री राजीव गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। (विघ्न)

स्पीकर साहब, मै एक और निवेदन करना चाहूंगा कि जिस ढंग से दूसरे लोगो के लिए भाोक प्रस्ताव रखे गये है, उसी तरह से मेहत के अन्दर जो हत्याए हुई है, प्रजातंत्र की रक्षा करते

हुए, वोट के अधिकार को बचाते हुए हमारे जिन नौजवान भाईयो ने गोलियो को अपने सीने में झेला है और अपनी जान को हमे ाा के लिए कुर्बान कर दिया है उन भाहीदो के नाम से भी भाोक प्रस्ताव यहां पर रखा जाए।

स्पीकर साहब, जितने भी दूसरे दिवंगत नेता हमारे बीच में नही रहे है, जैसे पण्डि उमा भांकर दीक्षित, श्री दिने ा गोस्वामी, श्री एस0 ए0 डांगे जी, श्री काहन सिंह, श्री बिहारी लाल वाल्मीकि, श्री प्रेम सुख दास जी, चौधरी श्री हरिकि ान सिंह जी, श्री चित्ता माहता जी, और श्री पी0 के0 कुंजाचन जी, उन सभी को मै अपनी तरफ से दिल की गहराईयो से सच्ची श्रद्धांजलि अप्रित करता हूं और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को वे भाांति दे और उनके भाोंक संतप्त परिवारो को इस दुख की घडी में हर प्रकार की समस्याओ का सामना करते के लिए, अपने जीवन को ठीक ंढंगा से चलाने के लिए भाक्ति दे। धन्यवाद।

**श्री अमर सिंह धानक (बवानी खेडा–अनुसूचित जाति):** स्पीकर साहब, सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी ने जो आज भाोक प्रस्ताव रखा है, मै अपने आप को उसके साथ जोडना चाहता हूं।

स्पीकर साहब, वैसे तो परम पिता परमे वर का नियम है कि जो आया है वह इस संसार से अव य जाएगा और बहुत से विद्वानो ने भी लिखा है–

राम रचा हावे सदा, नियत किया जो राम,

रति घटे न तिल बढे, अटल राम का नाम।

स्पीकर साहब, परमे वर का नियम अटल है जो आया है वह अव य जाएगा कबीर जी ने भी कहा है कि

जब हम पैदा हुए जग हंसे हम रोए,

ऐसी करनी कर चलो हम हंसे जग रोए।

इस श्रेणी में श्री राजीव गांधी जी का नाम आता है। वे मानव नेता थे। स्पीकर साहब, राजीव गांधी ने बहुत ही खुबसुरती से और बहुत ही नेक नियती से जो प्र न चिन्हृ लगे हुए थे उन सब को अपनी कार्य कु ालता से दूर किया। उनके समय में दे ा की चहुंमुखी तरक्की हुई लेकिन जिस ढंग से राजीव गांधी की हत्या हुई उससे मै यह समझता हूं कि जब हिन्दुस्तान का जम्हूरियत मे राजीव गांधी जैसे महान नेता सुरक्षित नही है और जिस ढंग से और जिस बर्बरता से उनका कत्ल किया गया, ऐसे हालात मं आम आदमी का जीवन कैसे सुरक्षित रह सकता है। आज हमारे सामने यह एक सवाल है। स्पीकर साहब, आज सारे भू–मण्डल पर जो भी दे ा है वे बारुद की दीवार पर खडे है।

जो लोग वहां पर सत्ता में है उनको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हर व्यक्ति और हर भाहरी की रक्षा करना उनका फर्ज है, उनकी जिम्मेदारी है। उनको हर व्यक्ति का ध्यान रखना चाहिए। जिनके हाथ में सत्ता है उनको यह नही समझना चाहिए कि रक्षा उनके तक ही महदूद है। अध्यक्ष महोदय, राजीव गांधी जी से मुझे मिलने का मौका मिला था। वे सब से हंस कर मिलते थे। मै आल इंडिया डिप्रैस्ड क्लासिज फैडरे ान का अध्यक्ष होने के नाते दो सौ पचास आदमियो का डैपूटे ान लेकर उनसे मिलने गया। उन्होने बडी खु ाी से सारी बातें की। उन्होने कहा कि मेरा एक सुत्रीय प्रोग्राम है कि गरीब आदमी को उपर उठाया जाए और गरीब को उपर उठाने का जो प्रोग्राम है वह झोपडी तक जाना चाहिएं। स्पीकर साहब, दे ा की कुछ अन्दरुनी और कुछ बाहरी ताकते इस बात को नही चाहती थी कि हिन्दुस्तान दुनिया की बडी ताकतो में भाामिल हो। दुनिया की बडी ताकतें यह सोचती थी कि कही हिन्दुस्तान हमसे आगे न बढ जाए। वे भारतवर्श की तरक्की को राकना चाहती थी। स्पीकर साहब, एक ऐसा खुबसूरत नौजवान जो हिन्दुस्तान का प्रधान मंत्री थी, हिन्दुस्तान का चोटी का नेता था और हिन्दुस्तान के लोगो के दिलो की धडकन था उसको हमसे छीन लिया गया। यह बर्बरता की नि ाानी है। राजीव गांधी तरक्की और भाांति का प्रतीक था और वह हिनदुस्तान को बहुत आगे ले जाना चाहते थे लेकिन जिस ढंग से राजीव गांधी को हम से छीना गया वह बहुत ही दुखदायी बात है ओर उनकी मौत से न केल इस दे ा को दुख पहुंचा है बल्कि दुनिया के सभी दे ाो को

बहुत दुख हुआ है। उनकी महानता का इसी बात से अन्दाजा लगया जा सकता है कि संसार के 126 दे ाो में से 65 दे ाो ने उनके अंतिम संस्कार में भाग लिया। यह इस बात का प्रतीक है कि संसार में उनकी कितनी इज्जत थी और इसलिए संसार के इतने दे ा उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आए। श्री राजीव गांधी प्रधान मंत्री बन तो दुनिया के लोग यह सोचते थे कि हिन्दुस्तान इतनाब बडा दे ा है इसको यह नौजवान कैसे चला पाएगा। लेकिन सारी दुनिया को राजीव गांधी जी ने दिखा दिया कि वे दे ा को बहुत अच्छे से चला सकते है। उनके समय में हिन्दुस्तान का चहुंमुखी विकास हुआ। दे ा ने हर क्षेत्र में बहुत तरक्की की। अब एक इन्कवायरी कमी ान बैठा हुआ है। मै अपनी ओर से और इस सदन की ओर से कहना चाहात हूं कि चाहे कोई बाहरी ताकत हो या अन्दरुनी ताकत हो और चाहे वह कितनी ही भाक्ति ाली हो सब को उतनी ही सजा दी जाए जो उस सजा के लिए मुस्तहितहो। किसी को भी छोडा न जाए चाहे वह कितनी ही बडी ताकत हो। मै परमपिता परमे वर से प्रार्थना करता हूं कि श्री राजीव गांी जाकी हमसे बिछुड गए है कि आत्मा को भाांति दे तथा उनके परिवार का`यह दुख सहने की भाक्ति प्रदान करे।

12:00 बजे

स्पीकर साहब, उमा भांकर जी दीक्षित, दिने ा गोस्वामी और डांगे जी भी अब हमारे बीच में नही रहे। श्री काहन सिंह बोहरा, श्री बिहारी लाल वाल्मीकि, श्री प्रेम सुख दास और श्री

हरकि ान जी ये तीन चार मैम्बर्ज हमारे साथ रहे हैं। स्पीकर साहब, जब आप पी0 ए0 सी0 के चेयरमैन थे उस समय बिहारी लाल जी उसके मैम्बर थे ओर मै भी था। बिहारी लाल जी अपने समाज के सबसे बडे नेता थे और लोगो का काम करने के लिए हर वक्त तैयार रहते थे।

स्पीकर सर श्री चित्ता माहता और श्री पी0 के0 कुंजावन ये भी अपने अपने क्षेत्रो में समाज सेवी थे। इन्होने भी लोगो की भलाई का काफी काम किया है। मै श्रद्धा से उनके चरणो में फूल अर्पित करता हू। इसके अलावा और भी कई महानुभावो के नाम इस सदन में रखे गए है। उन सभी के परिवारो के प्रति मै अपनी सहानुभूति प्रकट करता हूं और ई वार से यह प्रार्थना करता हूं कि वे इन सभी के परिवारोको यह दुख सहने की भाक्ति प्रदान करे।

**श्री अध्यक्षः** मैम्बर साहेबान, सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी ने जो भाोक प्रस्ताव यहां हाउस में पे ा किा है उस के साथ मै अपने आपको सम्मिलित करता हू। श्री राजीव गांधी के परिवार ने पहले दे ा की आजादी के लिए उसके बाद दे ा को सुदृढ बनाने के लिए बहुत कुर्बानियां की चाहे जेलो में रह कर के या चाहे श्रीमती गांधी ने भाहीदी देकर के। उसी तरह से श्री राजीव गांधी भी दे ा की एकता के लिए भाहीद हुए। यह दे ा जितना बडा आज है हिस्ट्री में उतना बडा पहले कभी नही रहा। हिस्ट्री बताती है कि उतरी भारत की बिल्कुल अलग पहचान रही

और दक्षिण भारत की बिल्कुल अलग रही। अगर किसी उत्तरी भारत के राजा ने दक्षिण को जीतने की कोि ा ा की तो वह उसे ज्यादा देर तक कायम नही रख सका। इसी तरह से दक्षिण भारत के राजा उत्तरी भारत में भी आए और मराठो के घोडो ने दरियाये सिंध पर आकर पानी पिया लेकिन वे भी नोर्थ में केवल ग्वालियर स्टेट के बडौदा को छोडकर ज्यादा देर जम नही सके।

हालांकि पाकिस्तान और बंगला दे ा बन चुके है फिर भी यह दे ा उतना बडा है जितना पहले कभी नही रहा। पूर्वी स्टेटस में काफी साल तक डिस्टरबैंस चलती रही। राजीव गांधी जी ने उसका समाधान किया। अन्दाजा लगाया जा रहा है कि उनके मर्डर मे लिट्टे का हाथ है। श्री लंका मे जो आई0 पी0 के0 एफ0 हमने भेजी थी वह लंका सरकार के चाहने पर भेजी गई थी। उसका मतलब एक ही था कि श्री लंका में दूसरे दे ा अपने अडडे न बना ले। अगर वे छोटे से जजीरे मे एक आजाद दे ा मांगते है और उसमें कामयाब हो तो साथ ही आपका तमिलनाडु भी जाता है और दे ा के पि चमी भाग के टुकडे हो जाते है। जो पहले जवाहर लाल नेहरु जी के टाईम में दे ा की नीतियो बनी थी, चाहे वह फोरन पालिसी की थी या दे ा के अन्दर की थी, पंजातंत्र की थी या धर्म निरपेक्षता की थी राजीव गांधी जी ने उनको कायम रखा। उनका सपना दे ा को 21वीं भाताब्दी में ले जाने का था और उसके लिए उन्होने काम भी भाुरु कर दिया था। वे डि–सैंट्रेलाइजे ान और पंचायती राज के भी हक में थे। इसका

जिक पार्टी के मैनिफैस्टो मे भी आया हुआ है और आपकी स्टेट में भी उसकी इम्पलीमैंटे ान होगीं। तो इन भाब्दो के साथ राजीव गांधी जी को मै श्रद्धांजलि देता हूं। आनरेबल मैम्बर्ज, लिस्ट में और कई नेता जिनमे कुछ राश्ट्रीय नेता है, कुछ स्टेट के नेता है जो यहां पर एम0 एल0 एज0 रह चुके है ओर हमारे पडोसी सूबा पैप्सू जो अब पंजाब में मर्ज हो चुका है और उसका कुछ हिस्सा हरियाणा में भी मर्ज हो चुका है, उसके भी नेता है। मै इन सब को भी अपनी तरफ से श्रद्धंजलि अर्पित करता हूं और श्रद्धांजलि देने वाले सभी सदस्यो के साथ तथा इस सदन के नेता के साथ उसमें भाामिल होता हू। इनके बारे में सारे हाउस ने जो दुख प्रकट किया है, उन सैंटिमैंटस को भाोक संतप्त परिवारो तक मै पहुंचा दुंगा।

अब मै हाउस से विनती करुंगा कि इन महान आत्माओ की भाांति के लिए खडे हो कर दो मिनट के लिए मौन धारण करें।

(इस समय दिवंगत व्यक्तियो के सम्मान में सदन के सदस्यो ने खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

**Mr. Speaker:** Now the House stands adjurned till 9:30a.m. tomorrow, the 11th July, 1991.

**12:09 बजे**

(The Sabha then adjourned till 9:30 a.m. on Thursday, the 11th July, 1991.)